▪ पौष कृष्णा - 6 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 20 ▪ अंक - 176 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 20-01-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

1924-2024
बेलगावी, कर्नाटक

सूचना एवं
जनसंपर्क विभाग

GANDHI BHARAT

राष्ट्र की आवश्यकता है कि ...

अनुसरण करें गांधीजी के आदर्शों का
चलें गांधीजी के दर्शन पर
जीएं गांधीजी के सपने को

गांधीजी के भारत

के पुनर्निर्माण के लिए हमारे साथ जुड़ें

आइए, महात्मा गांधी की अध्यक्षता में वर्ष 1924 के बेलगावी कांग्रेस अधिवेशन के शताब्दी समारोह के उपलक्ष्य में **गांधीजी की प्रतिमा** के अनावरण के लिए बड़ी संख्या में हमारे साथ जुड़िए।

मंगलवार, 21 जनवरी, 2025 | सुबह 10.30 बजे   सुवर्णा विधान सौधा, बेलगावी

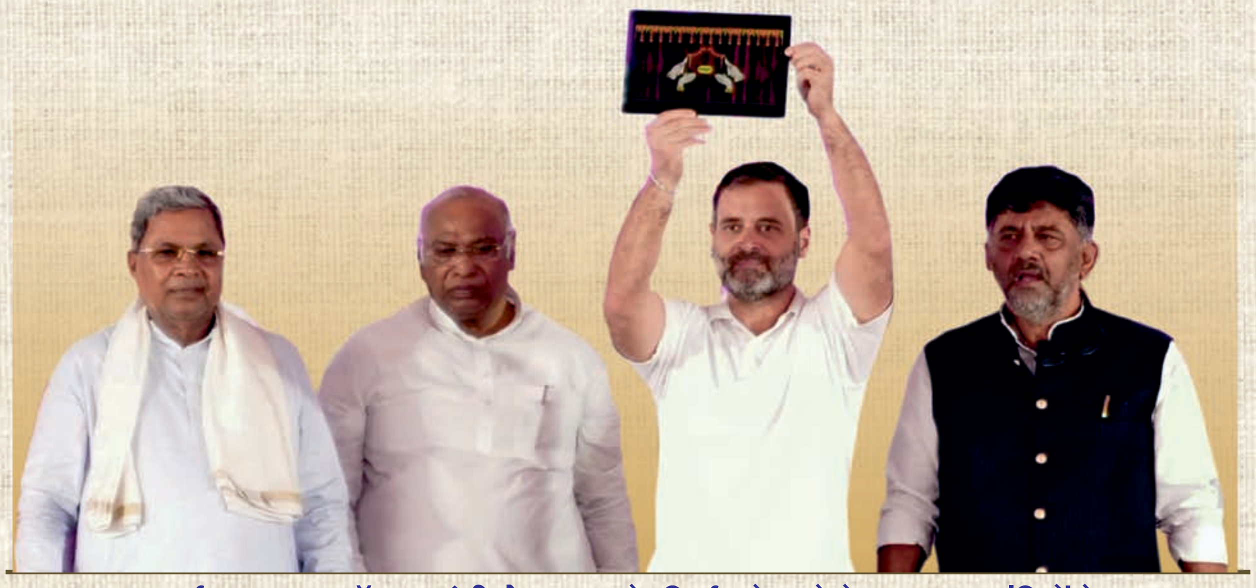

कर्नाटक शासन मॉडल **'गांधी के भारत'** के निर्माण के वादे के अनुसार गारंटियों के 100% कार्यान्वयन के माध्यम से महिलाओं, पीड़ितों और वंचितों को सशक्त बना रहा है।

हमारा कर्नाटक
गारंटी कर्नाटक

शक्ति
कर्नाटक में महिलाओं के लिए नि:शुल्क बस सेवा

अन्न भाग्य
10kg मुफ्त खाद्यान्न (प्रति व्यक्ति/प्रति माह)
*5 किग्रा खाद्यान्न के बदले प्रति व्यक्ति 170 रुपए

गृह ज्योति
हर घर को 200 यूनिट तक नि:शुल्क बिजली

गृहलक्ष्मी
₹2000 प्रति माह परिवार की महिला मुखिया को

युवा निधी
₹3000 स्नातकों के लिए प्रति माह | ₹1500 डिप्लोमा धारकों के लिए प्रति माह

जैसा कि संविधान में प्रतिष्ठापित है, स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय संघर्ष को प्रेरित करने वाले महान आदर्शों को संजोकर रखना और उनका पालन करना देश के प्रत्येक नागरिक का मौलिक कर्तव्य है।

CMofKarnataka   https://dipr.karnataka.gov.in/

karnataka information

राहुल को नहीं पता कि इंदिरा और नेहरू ने संविधान के साथ कैसे छेड़छाड़ की : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने रविवार को दावा किया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को इतिहास का कोई ज्ञान नहीं है और वह नहीं जानते कि उनके पिता (राजीव), दादी (इंदिरा) और दादी के पिता (नेहरू) ने संविधान के साथ छेड़छाड़ करने के क्या-क्या प्रयास किए थे।

नड्डा ने कहा कि कांग्रेस ने 65 वर्षों तक देश पर शासन किया और उसके नेताओं ने संविधान के साथ छेड़छाड़ कर इसके बुनियादी प्रावधानों को नष्ट करने की कोशिश की। वह भाजपा के 'संविधान गौरव अभियान' में बोल रहे थे।

हाल में, केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार, भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के खिलाफ एक टिप्पणी में ''इंडियन स्टेट'' (भारतीय राज व्यवस्था) शब्द का इस्तेमाल करने को लेकर राहुल पर उन्होंने प्रहार किया।

नड्डा ने कहा, ''आज हमारे कांग्रेस नेता कहते हैं कि वे ''इंडियन स्टेट (भारतीय राज व्यवस्था) के खिलाफ लड़ रहे हैं।'' उन्हें इतिहास का कोई ज्ञान नहीं है, न ही उनका इससे कोई लेना-देना है। उन्होंने कहा कि राहुल उन्हें सौंपे गए भाषणों की सामग्री और संदर्भ को समझे बिना उन्हें ''सिर्फ पढ़ते'' हैं। राहुल ने हाल ही में कहा था, ''भाजपा और आरएसएस ने इस देश की हर एक संस्था पर कब्जा कर लिया है और अब हम भाजपा, आरएसएस और भारतीय राज व्यवस्था से लड़ रहे हैं।

नड्डा ने कहा, ''भारत अपना 76 वां गणतंत्र दिवस मनाने की तैयारी कर रहा है। ऐसे में हमें याद रखना चाहिए कि किसने संविधान के साथ छेड़छाड़ की और इसके बुनियादी प्रावधानों को नष्ट करने की कोशिश की। यह भी याद रखें कि किसने संविधान की रक्षा की और किसने बाबासाहेब आंबेडकर के विचारों की रक्षा करने के साथ उन्हें रेखांकित करने का काम किया।'' उन्होंने कहा कि नागरिकों को उन पाखंडी लोगों से सचेत और सावधान रहना चाहिए जो संविधान को पढ़े बिना इसकी प्रति लेकर घूमा करते हैं। राहुल भाजपा पर हमला करने के लिए अक्सर अपनी चुनावी रैलियों में संविधान की प्रति अपने साथ रखते हैं। नड्डा ने कहा, ''उन्हें (राहुल को) नहीं पता कि उनके पिता (राजीव गांधी), दादी (इंदिरा गांधी) और दादी के पिता (जवाहरलाल नेहरू) ने क्या किया था। उन्हें ये बातें पता होनी चाहिए।''

अदाणी एनर्जी के पास कुल ऑर्डर बढ़कर 54,700 करोड़ रुपए पर

नई दिल्ली/भाषा। भारत की सबसे बड़ी बिजली पारेषण और वितरण कंपनी अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड (एईएसएल) ने दो नई पारेषण परियोजनाएं हासिल की हैं। इसके साथ ही कंपनी की ऑर्डर बुक बढ़कर 54,700 करोड़ रुपये हो गई है। यह चालू वित्त वर्ष (2024-25) की शुरुआत में मिले ऑर्डर से तीन गुना से भी अधिक है।

निवेश बैंकिंग कंपनी जेफरीज ने एक रिपोर्ट में कहा कि अदाणी एनर्जी ने अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में, राजस्थान में अक्षय ऊर्जा पार्क से संबंधित 28,455 करोड़ रुपये की दो नई पारेषण परियोजनाएं हासिल कीं। इनमें 25,000 करोड़ रुपये की भादला-फतेहपुर एचवीडीसी परियोजना शामिल है, जो एईएसएल का अबतक का सबसे बड़ा ऑर्डर है।

इन ऑर्डर ने टीबीसीबी (शुल्क-आधारित प्रतिस्पर्धी बोली) में कंपनी की बाजार हिस्सेदारी को दूसरी तिमाही के 17 प्रतिशत से बढ़ाकर 24 प्रतिशत कर दिया है।

एईएसएल की मौजूदा ऑर्डर बुक अब 54,700 करोड़ रुपये की है, जबकि चालू वित्त वर्ष की शुरुआत में यह 17,000 करोड़ रुपये थी। यह सभी निजी क्षेत्र की पारेषण कंपनियों में सबसे ज्यादा ऑर्डर बुक है।

जनता के बीच खराब छवि वाले लोगों के लिए राकांपा में कोई जगह नहीं: अजित पवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिरडी/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने रविवार को कहा कि जनता के बीच खराब छवि वाले किसी भी व्यक्ति के लिए उनकी पार्टी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) में कोई जगह नहीं है।

अजित ने कहा कि गलत काम करने वालों को पार्टी से निकाल दिया जाएगा। वर्ष 2023 में अपने चाचा शरद पवार के खिलाफ बगावत कर राकांपा पर दावा करने वाले अजित पवार ने कहा कि भविष्य राकांपा का है।

उन्होंने शिरडी में राकांपा सम्मेलन में अपने समापन भाषण में कहा, ''गांवों और हर गली-मोहल्ले में राकांपा कार्यकर्ता का आधार तैयार किया जाना चाहिए। सभी को समन्वय के साथ काम करना चाहिए।'' महाराष्ट्र में 20 नवंबर को हुए विधानसभा चुनाव में राकांपा ने 41 सीटें जीतीं, जो शरद पवार की अगुवाई वाली राकांपा (शरदचंद्र पवार) से चार गुना ज्यादा है।

अजित ने कहा, ''विधानसभा चुनाव के बाद हमारी जिम्मेदारी बढ़ गई है। आगामी स्थानीय निकाय चुनाव लड़ने के आकांक्षी लोगों को 25 घरों के समूह से वोट सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार कार्यकर्ताओं का चयन करना चाहिए। अगर 25 घरों में से प्रत्येक से चार वोट (राकांपा के लिए) डाले जाते हैं, तो हमें 100 वोट मिलेंगे।'' उन्होंने राकांपा कार्यकर्ताओं से युवाओं, डॉक्टरों, इंजीनियरों और वकीलों को पार्टी से जोड़ने की अपील की। अजित ने कहा कि राकांपा से लोग जुड़ रहे हैं, लेकिन पार्टी को एकजुट रहना चाहिए और इसकी छवि प्रभावित नहीं होनी चाहिए।

सात प्रमुख शहरों में घरों की कीमत सबसे ज्यादा 30% की वृद्धि दिल्ली-एनसीआर में : एनारॉक

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में पिछले साल आवास की कीमतें सात प्रमुख शहरों में सबसे अधिक बढ़ीं। संपत्ति परामर्श कंपनी एनारॉक ने एक रिपोर्ट में बताया कि दिल्ली-एनसीआर में इनपुट लागत में वृद्धि के कारण पिछले साल दरों में औसतन 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

एनारॉक ने कहा कि दिल्ली-एनसीआर में औसत आवासीय मूल्य में 30 प्रतिशत की उच्चतम वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई है। यहां घरों की कीमत 2023 में 5,800 रुपये प्रति वर्ग फुट से 2024 में लगभग 7,550 रुपये प्रति वर्ग फुट तक की कीमत हो गई है। दिल्ली-एनसीआर में आवास की कीमतों में तीव्र वृद्धि 2024 के दौरान अधिक आपूर्ति और बिक्री में मामूली गिरावट के बावजूद हुई। भूमि और श्रम की कीमतों के साथ-साथ निर्माण लागत में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

एनारॉक के आंकड़ों के अनुसार, पिछले साल आवास बिक्री छह प्रतिशत घटकर 61,900 इकाई रह गई, जो 2023 में 65,625 इकाई थी। दिल्ली-एनसीआर में आवास संपत्तियों की ताजा आपूर्ति 2024 में 44 प्रतिशत बढ़कर 53,000 इकाई हो गई, जो 2023 में 36,735 इकाई थी। एनारॉक के आंकड़ों से पता चला है कि कुल मिलाकर, शीर्ष सात शहरों में आवास की कीमतों में 13-30 प्रतिशत के बीच वृद्धि हुई है, जिसका मुख्य कारण इनपुट लागत में वृद्धि और घर खरीदारों की मजबूत मांग है।

सत्तारूढ़ तेदेपा के भीतर बढ़ी नारा लोकेश को आंध्र प्रदेश का उपमुख्यमंत्री बनाने की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। सत्तारूढ़ तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) के अंदर मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू के बेटे और मंत्री नारा लोकेश को उपमुख्यमंत्री पद दिए जाने की मांग बढ़ रही है। लोकेश के पास वर्तमान में मानव संसाधन विकास और आईटी विभागों का जिम्मा है, जबकि जनसेना प्रमुख पवन कल्याण चंद्रबाबू नायडू नीत सरकार में एकमात्र उपमुख्यमंत्री हैं।

आंध्र प्रदेश विधानसभा के उपाध्यक्ष के रघु राम कृष्ण राजू ने कहा कि पार्टी नेताओं के बीच लोकेश को पदोन्नत करने की मांग तेज हो रही है। राजू ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, '' जहां तक मेरी जानकारी है, तेदेपा कार्यकर्ता पार्टी महासचिव (लोकेश) को उपमुख्यमंत्री बनते देखना चाहते हैं। यह पार्टी कार्यकर्ताओं की राय है....।'' तेदेपा के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि यदि लोकेश को पवन कल्याण के समकक्ष पद पर पदोन्नत किया जाता है, तो जनसेना को कुछ चिंता हो सकती है, लेकिन अंतिम निर्णय मुख्यमंत्री को लेना है।उन्होंने यह भी कहा कि समय आने पर लोकेश को पार्टी और सरकार दोनों का नेतृत्व करने के लिए तैयार किया जाना चाहिए।

सूत्रों ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''ऐसी राय है कि लोकेश को उपमुख्यमंत्री बनाया जाना चाहिए। यह मांग उनकी देखरेख में हाल ही में चलाए गए सदस्यता अभियान से उपजी है, जिसमें एक करोड़ सदस्य जुड़े। इसके अलावा, अब समय आ गया है कि लोकेश को पार्टी के भावी नेता के तौर पर पेश किया जाए।'' तेदेपा सूत्रों के अनुसार, पार्टी की आंतरिक बैठक के दौरान लोकेश को उपमुख्यमंत्री बनाने पर विचार किया गया, हालांकि नायडू ने अभी तक इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की है। जनसेना नेताओं से उनकी टिप्पणी के लिये फिलहाल संपर्क नहीं हो सका है।

कडप्पा जिले के म्यदुकुर में एक बैठक में तेदेपा के वरिष्ठ नेता श्रीनिवास रेड्डी ने भी मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू से युवाओं और पार्टी समर्थकों के बीच विश्वास पैदा करने के लिए लोकेश को उपमुख्यमंत्री बनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, ''इससे पार्टी का भविष्य उज्ज्वल होगा। वह राज्य में निवेश आकर्षित करने के लिए प्रयासरत हैं। लोगों ने भी इसे स्वीकार किया है।'' हाल ही में जारी एक वीडियो में तेदेपा प्रवक्ता महासेना राजेश ने इस बात पर निराशा व्यक्त की कि लोकेश, जिन्होंने राज्य में राजग को सत्ता में लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, केवल मंत्री के रूप में कार्य कर रहे हैं और उन्होंने मुख्यमंत्री से उन्हें उपमुख्यमंत्री के पद पर पदोन्नत करने का आग्रह किया।

राजेश ने कहा, ... अगर उन्हें (लोकेश को) मुख्यमंत्री बनाने में समय लगता है, तो ठीक है। कम से कम यह घोषणा तो कर दीजिए कि अब वह उपमुख्यमंत्री हैं और हर सरकारी दफ्तर में उनकी तस्वीर लगा दीजिए।

बजट में 'छापेमारी राज और कर आतंक' को खत्म किया जाना चाहिए : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने रविवार को दावा किया कि मोदी सरकार की प्रतिगामी नीतियों ने भारत में निवेशकों का भरोसा तोड़ दिया है और व्यापार करने में आसानी (ईज ऑफ डूइंग बिजनेस) को व्यापार करने में असुविधा (अनईज ऑफ डूइंग बिजनेस) में बदल दिया है।

केंद्रीय बजट से पहले विपक्षी दल ने कहा कि इसे ठीक करने के लिए आगामी बजट में छापेमारी राज और कर आतंक को खत्म करना होगा। पार्टी ने सरकार से भारतीय विनिर्माण नौकरियों की रक्षा के लिए कदम उठाने और मजदूरी व क्रय शक्ति को बढ़ाने के लिए निर्णायक कार्रवाई करने का भी आह्वान किया। कांग्रेस महासचिव (संचार प्रभारी) जयराम रमेश ने कहा कि मोदी सरकार लंबे समय से भारत में व्यापार करने में आसानी में सुधार की इच्छा को लेकर ढिंढोरा पीटती रही है, लेकिन पिछले एक दशक में निजी निवेश में कमी ही देखने को मिली है।

उन्होंने कहा कि निजी निवेश रिकॉर्ड निचले स्तर पर चला गया है और बड़ी संख्या में उद्योगपति भारत छोड़कर विदेश चले गए हैं।

उन्होंने एक बयान में कहा, जीएसटी और आयकर को मिलाकर बनने वाली पेचीदा, दंडात्मक, और मनमानी कर व्यवस्था भारत की समृद्धि के लिए खतरा बनी हुई है। यह पूरी तरह कर आतंक जैसा है। इससे 'व्यापार करने में आसानी' की जगह 'व्यापार करने में असुविधा' को बढ़ावा मिल रहा है।

रमेश ने कहा कि निवेश का सबसे बड़ा घटक - निजी घरेलू निवेश 2014 से कमजोर रहा है, तथा प्रधानमंत्री के रूप में मनमोहन सिंह के कार्यकाल के दौरान यह सकल घरेलू उत्पाद के 25-30 प्रतिशत के दायरे में रहा।

उन्होंने कहा, पिछले दस वर्षों में यह गिरकर जीडीपी के 20-25 प्रतिशत के दायरे में आ गया है। निवेश में सुस्ती के साथ साथ उच्च नेटवर्थ वाले लोगों का बड़े पैमाने पर पलायन भी हुआ है। पिछले एक दशक में 17.5 लाख से अधिक लोगों ने दूसरे देश की नागरिकता ली है।

केंद्र के साथ बैठक पर किसान नेताओं ने कहा

बड़ी जीत नहीं, लेकिन हम बंद दरवाजा खुलवाने में सफल रहे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के किसान नेताओं ने 14 फरवरी को चंडीगढ़ में उनकी मांगों पर चर्चा के लिए बैठक आयोजित करने के लिए केंद्र द्वारा दिए गए निमंत्रण पर कहा, ''यह हमारे लिए कोई बड़ी जीत नहीं है, लेकिन हम बंद दरवाजा खुलवाने में सफल रहे।'' उन्होंने कहा कि अनशन कर रहे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने आखिर तक चिकित्सा सहायता लेने से इनकार कर दिया था, लेकिन जब किसान नेता उनसे अनुरोध करते रहे, तो उन्होंने उनसे कहा, ''जो आपको ठीक लगे, वही करें।''

किसान नेताओं ने कहा कि पूरी स्थिति को देखते हुए उन्होंने फैसला किया है कि डल्लेवाल के लिए चिकित्सा सहायता शुरू की जानी चाहिए। किसान नेता काका सिंह कोटड़ा ने कहा, ''हम यह नहीं कह सकते कि यह बड़ी जीत है, लेकिन हम यह कह सकते हैं कि हमने एक कदम आगे बढ़ाया है। हम (केंद्र से) बैठक करवाने में सफल रहे और हम (बातचीत के लिए) बंद दरवाजा खुलवाने में सफल रहे।''

शनिवार को कृषि मंत्रालय के संयुक्त सचिव प्रिय रंजन के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय केंद्रीय प्रतिनिधिमंडल ने खनौरी बॉर्डर पर डल्लेवाल और संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) तथा किसान मजदूर मोर्चा (केएमएम) के प्रतिनिधियों से मुलाकात की और उन्हें 14 फरवरी को बातचीत फिर से शुरू करने के लिए आमंत्रित किया। प्रस्तावित बैठक की घोषणा के बाद, डल्लेवाल ने चिकित्सा सहायता लेने पर सहमति जताई। गत वर्ष 26 नवंबर को आमरण अनशन पर बैठने के बाद से वह किसी भी तरह की सहायता लेने से इनकार कर रहे थे। बैठक के बाद प्रदर्शनकारी किसानों ने तस्वीरें जारी कीं, जिनमें डल्लेवाल को नसों में ड्रिप के जरिए चिकित्सा सहायता लेते हुए दिखाया गया। खनौरी बॉर्डर पर पत्रकारों से बात करते हुए किसान नेताओं ने रविवार को कहा कि उन्होंने प्रतिनिधिमंडल से मांग की थी कि बैठक पहले होनी चाहिए, क्योंकि बैठक के लिए तय की गई तारीख 14 फरवरी बहुत दूर है।

किसान नेता अभिमन्यु कोहाड़ ने बताया कि अधिकारियों ने किसानों से कहा कि 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह के मद्देनजर तैयारियों के लिए मंत्रियों और अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है और दूसरी बात यह कि दिल्ली विधानसभा चुनाव के मद्देनजर नौ फरवरी तक आदर्श आचार संहिता लागू है। प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें बताया कि बैठक का पहला दौर चंडीगढ़ में होगा और इससे अगला दौर दिल्ली में होगा। उन्होंने बताया कि बैठक के लिए निमंत्रण लेकर आए केंद्र सरकार के प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने इस बात पर जोर दिया कि डल्लेवाल को प्रस्तावित बैठक में शामिल होना चाहिए।

कश्मीर के लिए ट्रेन:

कटरा-श्रीनगर लाइन पर 22 बोगियों वाली ट्रेन का सफल परीक्षण

जम्मू/भाषा। कटरा और श्रीनगर रेलवे स्टेशन के बीच रविवार को 22 बोगियों वाली रेलगाड़ी का सफल परीक्षण किया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह कश्मीर को देश के बाकी हिस्सों से रेल के जरिये जोड़ने वाली नवनिर्मित रेल लाइन पर पहला सफल परीक्षण था।

अधिकारियों ने बताया कि 18 एसी कोच (वातानुकूलित डिब्बे), सामान ढोने वाली दो बोगी और दो इंजन वाली यह रेलगाड़ी सुबह आठ बजे कटरा रेलवे स्टेशन से रवाना हुई और रेलवे अधिकारियों की निगरानी में चार घंटे के भीतर सफलतापूर्वक अपने गंतव्य पर पहुंच गई। यह कटरा और श्रीनगर के बीच पहला ट्रायल रन था। कश्मीर को रेल मार्ग से जोड़ने की परियोजना पर काम 1997 में शुरू हुआ था, लेकिन भूवैज्ञानिक, स्थलाकृतिक और मौसम संबंधी चुनौतियों के कारण इसे अलग-अलग समय पर भिन्न-भिन्न समयसीमा निर्धारित किये जाने के बावजूद पूरा नहीं किया जा सका।

हम हर क्षेत्र में अग्रणी बनना चाहते हैं: आईटीसी चेयरमैन संजीव पुरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आईटीसी अपनी 'अगली रणनीति' के तहत प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ा रही है और नवोन्मेषी क्षमता को मजबूत कर रही है, क्योंकि समूह का लक्ष्य उन क्षेत्रों में अग्रणी बनना है, जिनमें वह काम करती है। कंपनी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) संजीव पुरी ने यह बात कही है। पुरी ने पीटीआई-भाषा को बताया कि सिगरेट से लेकर उपभोक्ता वस्तुओं तक के कारोबार में सक्रिय समूह ने संगठन की एक रणनीति 'आईटीसी नेक्स्ट स्ट्रैटेजी' तैयार की है, जिसका लक्ष्य भविष्य के लिए तैयार उद्यम को आकार देना और वृद्धि एवं लाभप्रदता के अगले चरण को परिभाषित करना है। आईटीसी नेक्स्ट स्ट्रैटेजी के एक भाग के रूप में कंपनी ने प्रतिस्पर्धात्मकता के उन कारकों की पहचान की है, जिनमें उसकी भविष्य की वृद्धि के लिए डिजिटलीकरण, स्थिरता, नवाचार और आपूर्ति शृंखला दक्षता आदि शामिल हैं। पुरी ने कहा, इन्हें ऐसे क्षेत्रों के रूप में पहचाना गया है जहां प्रतिस्पर्धी और समकालीन बनने के लिए विशिष्ट हस्तक्षेप किए गए हैं। इसका उद्देश्य उद्यम की ताकत का लाभ उठाते हुए नवोन्मेषण को जारी रखना है।''

हिमाचल सरकार मादक पदार्थ माफियाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित कर रही : सुक्खू

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने मादक पदार्थ माफियाओं को कड़ी चेतावनी देते हुए रविवार को कहा कि मौजूदा सरकार युवाओं के भविष्य को खतरे में डालने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी।

कांगड़ा जिले के नूरपुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने बताया कि पुलिस ने हाल के महीनों में मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ व्यापक अभियान चलाया है और उनसे 11 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने मादक पदार्थों की रोकथाम से संबंधित कानून को लागू किया है। उन्होंने कहा कि यह जनहित की रक्षा के लिए मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त आदतन अपराधियों को हिरासत में लेने की अनुमति देता है।

भारत मोबिलिटी एक्सपो के पहले दो दिनों में कुल 90 वाहन प्रदर्शित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय राजधानी में चल रहे 'भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो-2025' को लेकर वाहन विनिर्माताओं के बीच खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। प्रदर्शनी के पहले दो दिनों में ही कुल 90 वाहन उत्पादों को पेश कर दिया गया।

शुक्रवार को शुरू हुई वाहन प्रदर्शनी के शुरुआती दो दिन मीडिया प्रतिनिधियों के लिए निर्धारित थे। इस दौरान व्यापक पहुंच हासिल करने के मकसद से वाहन कंपनियों ने बड़ी संख्या में अपने नए उत्पादों को मीडिया के सामने पेश किया जिनमें इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की विशेष उपस्थिति देखने को मिली। प्रदर्शनी स्थल 'भारत मंडपम' में आयोजित प्रदर्शनी 'भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो-2025' के पहले दिन कुल 34 उत्पाद पेश किए गए जबकि दूसरे दिन शनिवार को यह संख्या बढ़कर 56 हो गई। इस तरह मीडिया के लिए निर्धारित दो दिनों में कुल 90 पेशकश के साथ जबरदस्त प्रतिक्रिया देखने को मिली। इस दौरान वाहन कंपनियों ने नई प्रौद्योगिकी पर आधारित कारें, बस और ट्रक से लेकर मोटरसाइकिल एवं स्कूटर तक पेश किए हैं। खास बात यह है कि इन नए उत्पादों का बड़ा हिस्सा ईवी प्रौद्योगिकी को अपनाते हुए विकसित किया गया है। भारतीय कंपनियों के अलावा विदेशी कंपनियां भी इस वाहन प्रदर्शनी में पूरे उत्साह के साथ शिरकत करती हुई नजर आ रही हैं। मारुति सुजुकी, हुंदै मोटर, टाटा मोटर्स एवं जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर जैसी कंपनियों के साथ चीन की बीवाईडी और वियतनाम की विनफास्ट के उत्पादों को लेकर भी दिलचस्पी देखने को मिली है। मारुति सुजुकी इंडिया ने पहला इलेक्ट्रिक वाहन ई-विटारा पेश किया जबकि हुंदै मोटर इंडिया ने अपने लोकप्रिय एसयूवी क्रेटा का इलेक्ट्रिक अवतार पेश किया है। लक्जरी वाहन कंपनियों मर्सिडीज-बेंज, बीएमडब्ल्यू और पोर्शे ने भी भारत मोबिलिटी एक्सपो में अपने नए उत्पादों को पेश किया और कुछ उत्पादों का अनावरण किया। वेव मोबिलिटी ने 3.25 लाख रुपये की शुरुआती कीमत में भारत की पहली सौर इलेक्ट्रिक कार 'ईवा' को पेश कर खासी दिलचस्पी पैदा कर दी है। कंपनी शहरी परिवहन के लिहाज से विकसित इस छोटी कार को अगले साल लेकर आने वाली है।

दोपहिया खंड में भी हीरो मोटोकॉर्प, होंडा एवं सुजुकी मोटर ने इलेक्ट्रिक एवं फ्लैक्स ईंधन से चलने वाले वाहनों पर दांव लगाए हैं।

वाहन प्रदर्शनी के आम जनता के लिए खुलने पर भारत मंडपम में उमड़े लोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित देश की प्रमुख वाहन प्रदर्शनी को रविवार को आम जनता के लिए खोले जाने के बाद यहां हर उम्र और लिंग के लोग अपनी पसंदीदा कारों और बाइक देखने के लिए पहुंचे।

मीडिया और व्यावसायिक दिनों के दो दिनों के बाद जब यह प्रमुख कार्यक्रम आम जनता के लिए खुला, तो सुबह से ही बड़ी संख्या में आगंतुक भारत मंडपम परिसर में प्रवेश करते देखे गए। जैसे-जैसे दिन चढ़ता गया, आगंतुकों की संख्या बढ़ती गई। यातायात जाम, सुरक्षा चौकियों पर लंबी कतारें और भीड़ भरे प्रवेश द्वार भी लोगों की भीड़ को रोक नहीं पाए, जो ओईएम द्वारा विभिन्न हॉलों में प्रदर्शित नवीनतम प्रौद्योगिकियों और मॉडलों को देखने के लिए उत्सुक थे। हाल ही में प्रदर्शित इलेक्ट्रिक वाहनों, अवधारणाओं और नई वाहन प्रौद्योगिकियों को देखने के लिए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के साथ-साथ पड़ोसी शहरों और कस्बों से आए आगंतुकों की भारी दिलचस्पी देखी गई। भारी भीड़ की उम्मीद के चलते कंपनियां भी अधिक लोगों के साथ तैयार दिखीं तथा प्रदर्शन क्षेत्रों के आसपास बैरिकेडिंग भी की गई थी। परिसर के आसपास स्थित खाने-पीने की दुकानों पर भी दिनभर लंबी कतारें लगी रहीं और लोग खुले स्थानों पर भोजन का आनंद लेते रहे।

पौष कृष्णा - 6 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 176 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 20-01-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 भाजपा विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने पार्टी प्रदेश अध्यक्ष पर फिर साधा निशाना

6 डिजिटल युग में धर्म क्षेत्र में फेक न्यूज का खतरा

7 महाकुंभ का एक ही संदेश, एकता से ही अखंड रहेगा देश : योगी

फर्स्ट टेक

योगगुरु रामदेव और अचार्य बालकृष्ण के खिलाफ जमानती वारंट जारी

पलक्कड़ (केरल)/भाषा। केरल की एक अदालत ने भ्रामक विज्ञापन के एक मामले में योग गुरु बाबा रामदेव और उनके सहयोगी आचार्य बालकृष्ण के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया है। यहां न्यायिक प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट द्वितीय ने रामदेव, बालकृष्ण और दिव्य फार्मेसी के खिलाफ वारंट जारी किया। पलक्कड़ के औषधि निरीक्षक ने इस मामले में शिकायत दर्ज कराई है। उनकी शिकायत के आधार पर औषधि एवं चमत्कारिक उपचार (आक्षेपणीय विज्ञापन) अधिनियम, 1954 की धारा 3(डी) सह धारा 7(ए) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। मजिस्ट्रेट अदालत ने 16 जनवरी के अपने आदेश में कहा, ''शिकायतकर्ता अनुपस्थित है। सभी आरोपी अनुपस्थित हैं। सभी आरोपियों के लिए जमानती वारंट जारी किया गया है।''

ओडिशा में लिथियम की मौजूदगी का संकेत मिला

भुवनेश्वर/भाषा। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) के एक हालिया अध्ययन ने ओडिशा के कुछ जिलों में लिथियम की उपस्थिति का संकेत दिया है। जीएसआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। लिथियम, सीसा, एल्यूमीनियम उत्पादों और बैटरी के उत्पादन में व्यापक रूप से इस्तेमाल की जाने वाली धातु है। अधिकारी ने बताया कि लिथियम के भंडार पहले कर्नाटक और जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों में पाए गए हैं। जीएसआई के उप महानिदेशक पंकज कुमार ने कहा, ''इस तरह की कोई बड़ी खोज नहीं हुई है, लेकिन (ओडिशा में) लिथियम की मौजूदगी के कुछ संकेत मिले हैं। हम अभी बहुत शुरुआती चरण में हैं, इसलिए हमें कोई दावा नहीं करना चाहिए। हालांकि, भूगर्भीय रूप से बात करें तो पूर्वी घाट इलाके, जैसे नयागढ़, में कुछ संकेत मिले हैं।''

अमेरिका में प्रतिबंध लागू होने के बाद 'टिकटॉक' बंद

ह्यूस्टन/भाषा। अमेरिका में लोकप्रिय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'टिकटॉक' पर प्रतिबंध लगाने वाला संघीय कानून प्रभावी होने से कुछ घंटे पहले ऐप को बंद कर दिया गया। ऐप शनिवार को बंद किया गया। अमेरिकी उपयोगकर्ताओं को ऐप खोलने पर एक संदेश मिला जिसमें लिखा था, अमेरिका में टिकटॉक पर प्रतिबंध लगाने का कानून पारित किया गया है। इसका मतलब है कि दुर्भाग्य से आप अब टिकटॉक का इस्तेमाल नहीं कर पायेंगे। संदेश में लिखा था, हम भाग्यशाली हैं कि राष्ट्रपति ट्रंप ने संकेत दिया है कि वह पदभार संभालने के बाद टिकटॉक को बहाल करने के लिए हमारे साथ मिलकर काम करेंगे।

भारत की ताकत एकजुटता में निहित है : मोहन भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ जो लोग खुद की रक्षा नहीं कर पाते, उन्हें भगवान भी नहीं बचा सकते। हम भारत की संतान हैं। यदि हमारी मातृभूमि लाखों बच्चों के होते हुए भी कमजोर हो जाती है, तो हमारा क्या कर्तव्य है?

कोच्चि/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि भारत की ताकत एकजुटता में निहित है, जो सफल और विजयी है। यहां वडयाम्बडी में आरएसएस की एक बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हिंदू जीवन शैली सभी मुद्दों का समाधान प्रदान करती है और दुनिया में परम शांति लाती है।

भागवत ने कहा कि आरएसएस हिंदू समाज को एकजुट कर रहा है और धर्म की रक्षा के माध्यम से दुनिया को सार्थक समाधान प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा, ''बदलाव केवल अवतारों के आने से नहीं होता।'' उन्होंने कहा, ''ऐसा कहा जाता है कि जो लोग खुद की रक्षा नहीं कर पाते, उन्हें भगवान भी नहीं बचा सकते। हम भारत की संतान हैं। यदि हमारी मातृभूमि लाखों बच्चों के होते हुए भी कमजोर हो जाती है, तो हमारा क्या कर्तव्य है?'' उन्होंने कहा, ''इस कर्तव्य को पूरा

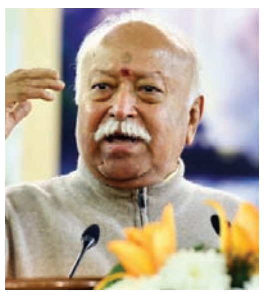

करने के लिए हमें शक्ति की आवश्यकता है, शक्ति को प्रभावी बनाने के लिए हमें अनुशासन और ज्ञान की आवश्यकता है।''

भागवत ने कहा, ''परिस्थितियों की परवाह किए बिना दृढ़ निश्चय और उद्देश्य की अटूट भावना आवश्यक है।'' उन्होंने कहा कि केवल ऐसे मानव विकास को बढ़ावा देना ही आरएसएस का मुख्य मिशन है। उन्होंने कहा कि भारत भी विभिन्न संघर्षों को देख रहा है - किसान, उपभोक्ता, श्रमिक और यहां तक कि सत्तारूढ़ और विपक्षी दल भी आंदोलन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि युद्ध लगातार बढ़ रहे हैं, जिससे समस्याओं की सूची बढ़ती जा रही है। उन्होंने कहा कि हालांकि, इन मुद्दों का समाधान भारत के भीतर ही है।

भागवत ने कहा, ''भारतीय दर्शन सभी को एकजुट करने के बारे में है।'' उन्होंने कहा कि भारत विश्व के फायदे के लिए एक ताकतवर राष्ट्र के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि इसकी विशिष्ट विशेषता इसकी अनूठी सांस्कृतिक एकता है जो विविधता को अपने में समाहित करती है। उन्होंने कहा, ''यह वह भूमि है जहां लोग काशी से गंगा जल लेकर आते हैं और रामेश्वरम में इसे चढ़ाते हैं। कालडि में जन्मे आदि शंकराचार्य ने देश के चारों कोनों में मठों की स्थापना करके इस एकता को मजबूत किया।''

महाकुंभ में लगी भीषण आग पर काबू, कोई हताहत नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुख्यमंत्री आदित्यनाथ से फोन पर इस घटना की जानकारी ली।

महाकुंभ नगर/भाषा। महाकुंभ मेले के सेक्टर 19 में रविवार को एक शिविर में पुआल में लगी आग, गैस सिलेंडर फटने की वजह से तेजी से फैल गई और आग की चपेट में आने से करीब 18 शिविर जल गए। हालांकि अग्निशमन कर्मियों ने आग पर पूरी तरह काबू पा लिया और किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी (कुंभ) प्रमोद शर्मा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि शाम करीब साढ़े चार बजे सेक्टर 19 में आग लगने की सूचना मिली और तुरंत दमकल की गाड़ियां घटनास्थल के लिए रवाना की गईं। उन्होंने बताया, करीब एक घंटे में आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया गया। आग बुझाने में करीब 15-16 गाड़ियां लगाई गई थीं। इस आग में 18 तंबू जलकर नष्ट हो गए। एलपीजी सिलेंडरों के फटने से आग तेजी से फैली थी।

शर्मा ने बताया कि इस घटना में किसी के हताहत या घायल होने की सूचना नहीं है।

घटनास्थल से धुंए का गुबार उठने से अखाड़ों के आसपास के क्षेत्रों में अफरा तफरी मच गई। हालांकि एक घंटे के भीतर आग पर काबू पा लिया गया। अधिकारियों ने कहा कि मौनी अमावस्या से पूर्व तैयारियों की समीक्षा करने प्रयागराज में मौजूद प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ घटनास्थल पहुंचे और अधिकारियों को भविष्य में ऐसी घटना से बचने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिये।

इस बीच, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुख्यमंत्री से फोन पर इस घटना की जानकारी ली। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से महाकुंभ मेला क्षेत्र में आग लगने की घटना की पूरी जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने उन्हें संपूर्ण तथ्यों से अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने बताया कि कुशल अग्निशमन और एनडीआरएफ, एसडीआरएफ की टीम ने समय रहते आग पर काबू पा लिया। इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है और किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। प्रयागराज जोन के अपर पुलिस महानिदेशक भानु भास्कर ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि आग को बुझा लिया गया है और स्थिति नियंत्रण में है तथा लोगों को घटनास्थल से निकाल लिया गया है और इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

दोहरे ओलंपिक पदक विजेता

नीरज चोपड़ा ने हिमानी मोर से विवाह किया

नई दिल्ली/भाषा। भारत के भाला फेंक के स्टार खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने दो दिन पहले सोनीपत की हिमानी मोर से विवाह किया। स्टार खिलाड़ी 27 वर्षीय नीरज ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर विवाह की घोषणा की। नीरज ने विवाह समारोह की तस्वीरों के साथ एक पोस्ट में लिखा, ''मैंने अपने परिवार के साथ अपने जीवन का एक नया अध्याय शुरू किया। हर उस आशीर्वाद के लिए आभारी हूं जिसने हमें इस पल तक पहुंचाया। प्यार से बंधे, हमेशा खुश रहें।'' चोपड़ा के चाचा भीम ने 'पीटीआई' को बताया कि विवाह देश में हुआ और यह जोड़ा हनीमून के लिए रवाना हो गया है।

सैफ अली खान पर हमला करने वाला बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

मुंबई/भाषा। अभिनेता सैफ अली खान पर उनके ही घर में हमला करने वाले 30 वर्षीय बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया गया है। मुंबई पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि उसका इरादा चोरी करने का था लेकिन उसे इस बात की जानकारी नहीं थी कि वह बॉलीवुड के एक अभिनेता के घर में घुसा है। उन्होंने बताया कि हमलावर को ठाणे जिले के घोड़बंदर रोड स्थित हीरानंदानी एस्टेट से गिरफ्तार किया गया। अधिकारी ने बताया कि वह बांग्लादेशी नागरिक है और उसने भारत में आने के बाद अपना नाम शरीफुल इस्लाम शहजाद मोहम्मद रोहिल्ला अमीन फाकिर से बदलकर विजय दास कर लिया था।

पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर भारत का मुकुट मणि : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जौनपुर (उप्र)/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को भारत का मुकुट मणि बताते हुए कहा कि इसके बिना जम्मू कश्मीर अधूरा है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता ने पाकिस्तान पर जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को बढ़ावा देने की साजिश जारी रखने का भी आरोप लगाया। सिंह जौनपुर जिले के निजामुद्दीनपुर गांव में

पत्रकारों से बात कर रहे थे, जहां वह भाजपा नेता जगत नारायण दुबे के घर आयोजित एक समारोह में शामिल हुए थे।

उन्होंने कहा, यह (पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर) भारत का मुकुट मणि है और जम्मू कश्मीर इसके बिना अधूरा है। रक्षा मंत्री ने कहा, पाकिस्तान के लिए यह एक विदेशी क्षेत्र से अधिक कुछ नहीं है। वह इसका इस्तेमाल आतंक को शह देने व भारत विरोधी दुष्प्रचार के लिए कर रहा है। वहां आतंकी शिविरों और लॉन्च पैड को नष्ट किया जाना चाहिए अन्यथा इसका उचित जवाब दिया जाएगा।

रक्षा मंत्री ने कथित भारत विरोधी बयानबाजी के लिए पाकिस्तानी नेता अनवर-उल-हक पर भी निशाना साधा। सिंह ने कहा कि पाकिस्तान वहां लोगों को धर्म के नाम पर भारत के खिलाफ भड़काने की कोशिश कर रहा है और वहां के निवासियों पर अत्याचार करता है।

रिहा किए गए तीन बंधक इजराइल पहुंचे

दीर अल बलाह (गाजा पट्टी)/एपी। गाजा से रिहा किए गए पहले तीन बंधक इजराइल पहुंच गए हैं। इजराइल की सेना ने रविवार को यह घोषणा की। इजराइल और हमास के बीच युद्धविराम के कुछ घंटों बाद बंधकों को रिहा किया। बंधकों की माताएं उनसे मिलने का इंतजार कर रही थीं। कतर से संचालित मीडिया संस्थान 'अल जजीरा' के फुटेज में रिहा किए गए

बंधकों को ले जाते हुए देखा गया है। उनके चारों तरफ बड़ी भीड़ थी, जिनमें से कई लोगों ने अपने फोन पकड़ रखे थे और वीडियो बना रहे थे। वाहनों के साथ हथियारबंद लोग थे, जिन्होंने हरे रंग की हमास की हेडबैंड पहन रखी थी और वे हजारों की संख्या में पहुंची अनियंत्रित भीड़ से कारों की रक्षा करने के लिए मशक्कत कर रहे थे।

सूर्यास्त 20-01-2025	6:15 बजे
सूर्योदय 21-01-2025	6:46 बजे

BSE	NSE
76,619.33	23,203.20
(-423.49)	(-108.60)

सोना	चांदी
8,245 रु.	91,599 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

कुंभ-निकुंभ

कुंभ भरा है भारी जिसमें,
छाई चहुंदिश तरुणाई।
एक तरफ संतों का जमघट,
दूजी तरफ तमाशाई।
कोई छलक रहा आस्था से,
कोई निष्ठुर निगुराई।
माला वाली में मिडिया को,
मोनालिसा नजर आई।।

बेंगलूरु | सोमवार | 20-01-2025 www.dakshinbharat.com /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने महाकुंभ में स्नान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में जारी महाकुंभ में स्नान किया और त्रिवेणी संगम घाट पर पूजा अर्चना की। आधिकारिक प्रवक्ता के अनुसार शर्मा ने नौका से त्रिवेणी संगम का भ्रमण भी किया। प्रवक्ता ने कहा कि शर्मा ने त्रिवेणी संगम घाट पर मां गंगे की पूजा की और बड़े हनुमान मंदिर के दर्शन भी किए। उन्होंने राजस्थान मंडप में संतों का अभिनंदन कर उनसे आशीर्वाद लिया।

शर्मा शनिवार रात प्रयागराज पहुंचे थे। उन्होंने मुख्यमंत्री वहां राजस्थान मंडप का अवलोकन किया और वहीं रुके।

भजनलाल शर्मा ने किया राजस्थान मण्डप का अवलोकन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रयागराज महाकुम्भ के अवसर पर शनिवार की देर रात्रि राजस्थान मण्डप का अवलोकन किया। उन्होंने यहां यात्रियों के लिये बनाए पंडाल व प्रचार-प्रसार से सम्बंधित आकर्षक फोटोज, रोचक दृश्य श्रव्य सामग्री आदि के साथ ही यात्रियों के ठहराव की उत्कृष्ट व्यवस्थाओं पर खुशी जताई। मुख्यमंत्री शर्मा ने राजस्थान के श्रद्धालुओं को राज्य सरकार द्वारा अल्पकालिक प्रवास हेतु सुविधाएं प्रदत्त करने के उद्देश्य से निर्मित किये गए राजस्थान मंडप में ही रात्रि विश्राम किया।

गौरतलब है कि 144 वर्षों के लिये स्मरणीय आस्था के इस महापर्व प्रयागराज महाकुम्भ में राजस्थान के साथ ही साथ पूरे देश से श्रद्धालुओं की भीड़ पूर्ण उत्साह से उमड़ रही है जो निश्चित रूप से सनातन संस्कृति को और समृद्ध बना रही है।

बीएसएफ ने राजस्थान के बाड़मेर में जमीन में दबाया गया हथियारों का जखीरा बरामद किया : सूत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने राजस्थान के बाड़मेर में जमीन में दबाया गया हथियारों का जखीरा बरामद किया है। सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि सीमा पर बाड़ के पास रेत में छिपाए गए नौ एमएम की चार ग्लॉक पिस्तौल, आठ मैगजीन और 78 कारतूस बरामद किए गए।

बीएसएफ (गुजरात फ्रंटियर) के एक सूत्र ने बताया, सीमा के पास संदिग्ध गतिविधियां दिखाई देने पर हमने सूचना के आधार पर शुक्रवार को बीजराड़ पुलिस थाना क्षेत्र में भभूते की ढाणी के पास तलाश अभियान शुरू किया। अभियान के दौरान, सीमा पर बाड़ से थोड़ी दूरी पर रेत के टीले में छिपाकर रखे गए अवैध हथियारों का जखीरा बरामद किया गया। उन्होंने कहा, माना जा रहा है कि हथियारों को पाकिस्तान से तस्करी कर भारत लाया गया है। इसके बाद सुरक्षा एजेंसियां ङ्कङ्कहाई अलर्ट पर हैं।

बीएसएफ और पुलिस की टीम, अन्य एजेंसियों के साथ मिलकर क्षेत्र में व्यापक तलाश अभियान संचालित कर रही हैं और इस बात की जांच कर रही हैं कि ये हथियार भारत में कैसे पहुंचे? देश में कुछ ही दिन में गणतंत्र दिवस मनाया जाना है ऐसे में हथियारों की बरामदगी को संवेदनशील मामला माना जा रहा है। सूत्रों ने बताया कि खुफिया एजेंसियां इस बात की जांच कर रही हैं कि क्या यह किसी बड़ी साजिश का हिस्सा है।

घरेलू विवाद की वजह से पत्नी के मामा की हत्या की

कोटा। राजस्थान के बूंदी जिले में रविवार तड़के 38 वर्षीय एक व्यक्ति ने घरेलू विवाद की वजह से अपनी पत्नी के मामा की कथित तौर पर हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी व्यक्ति अपनी पत्नी के घर नहीं लौटने से नाराज था। उसने बताया कि आरोपी की पहचान अजमेर जिले के किशनगढ़ निवासी शहजाद के रूप में हुई है। उसने केशोरायपाटन के कच्ची बस्ती निवासी कल्लू खान (62) पर कथित तौर पर हमला किया और मौके से फरार हो गया।

केशोरायपाटन थाना के क्षेत्र निरीक्षक हंसराज मीणा ने बताया कि प्रारंभिक जांच के अनुसार, शहजाद और उसकी पत्नी के बीच विवाद चल रहा था। महिला गत तीन महीने से केशोरायपाटन में अपने मामा के घर पर रह रही थी, जबकि शहजाद पत्नी पर वापस लौटने का दबाव बना रहा था। मीणा ने बताया कि घटना रविवार सुबह करीब पांच बजे हुई, जब शहजाद उसे वापस लेने के लिए खान के घर पहुंचा। वहां पहुंचने पर खान ने उसे बताया कि उसकी पत्नी वहां नहीं है और कोटा में अपने दूसरे मामा के घर चली गई है। मीणा ने बताया कि जवाब से नाराज होकर और अपनी पत्नी को वहां अनुपस्थित पाकर शहजाद ने खान पर चाकू से कई बार वार किया और मौके से भाग गया। उन्होंने आगे बताया कि खान को 3-4 चोटें आईं, जिनमें पेट में एक घातक चोट भी शामिल है और उन्हें कोटा के एक अस्पताल में ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। मीणा ने बताया कि आरोपी को पकड़ने के प्रयास शुरू कर दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

भजनलाल शर्मा ने प्रयागराज महाकुंभ स्थित राजस्थान मण्डप में सुना प्रधानमंत्री का 'मन की बात' कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम के 118वें संस्करण में देशवासियों को संबोधित किया। नववर्ष 2025 का यह पहला 'मन की बात' कार्यक्रम था। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी प्रयागराज महाकुंभ स्थित राजस्थान मण्डप में प्रधानमंत्री के सम्बोधन को सुना। प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रयागराज महाकुंभ में उमड़ा चिरस्मरणीय जन-सैलाब, अकल्पनीय दृश्य और समता-समरसता का असाधारण संगम विविधता में एकता का उत्सव है। उन्होंने कहा कि हजारों वर्षों से चली आ रही इस परंपरा में कहीं भी कोई भेदभाव और जातिवाद नहीं है। यह 'कुंभ' एकता का महाकुंभ है। मोदी ने कहा कि कुंभ का आयोजन बताता है कि कैसे हमारी परम्पराएं पूरे भारत को एक सूत्र में बांधती हैं। एक तरफ प्रयागराज, उज्जैन, नासिक और हरिद्वार में कुंभ का आयोजन होता है, वैसे ही, दक्षिण भू-भाग में, गोदावरी, कृष्णा, नर्मदा और कावेरी नदी के तटों पर पुष्करम होते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों पश्चिम बंगाल में 'गंगा सागर' मेले का भी विहंगम आयोजन हुआ और संक्रांति के पावन अवसर पर इस मेले में पूरी दुनिया से आए लाखों श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई। 'कुंभ', 'पुष्करम' और 'गंगा सागर मेला' - हमारे सामाजिक मेल-जोल, सद्भाव और एकता को बढ़ाने वाले पर्व हैं।

मोदी ने कहा कि इस महीने हमने 'पौष शुक्ल द्वादशी' के दिन रामलला के प्राण प्रतिष्ठा पर्व की पहली वर्षगांठ मनाई है। इस साल 'पौष शुक्ल द्वादशी' 11 जनवरी को पड़ी और इस दिन लाखों राम भक्तों ने अयोध्या में रामलला के दर्शन कर उनका आशीर्वाद लिया। उन्होंने कहा कि यह भारत की सांस्कृतिक चेतना की पुनः प्रतिष्ठा की द्वादशी है। मोदी ने आमजन से आह्वान किया कि वे विकास के रास्ते पर चलते हुए विरासत को सहेजे और उनसे प्रेरणा लेते हुए आगे बढ़े।

मोदी ने कहा कि इस बार के गणतंत्र दिवस पर संविधान लागू होने के 75 साल हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि संविधान सभा सदस्यों के विचार हमारी बहुत बड़ी धरोहर है। प्रधानमंत्री ने बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के भाषणों के अंश साझा करते हुए देशवासियों से इन महापुरूषों के विचारों से प्रेरणा लेते हुए ऐसे भारत के निर्माण करने के आह्वान किया जिस पर इन संविधान निर्माताओं को भी गर्व हो। प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्ष 2025 की शुरुआत में ही भारत ने अंतरिक्ष के क्षेत्र में कई ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं।

बेंगलूरु के स्पेस-टेक स्टार्ट-अप पिक्सेल' ने भारत का पहला निजी सैटैलाइट कॉन्स्टलेशन फायर-फ्लाई, सफलतापूर्वक लॉन्च किया है। हमारे वैज्ञानिक अंतरिक्ष में पौधे उगाने और उन्हें जीवित रखने के प्रयास भी कर रहे हैं। आईआईटी मद्रास का एक्सटेम केंद्र अंतरिक्ष में मैन्यूफैक्चरिंग के लिए नई तकनीकों पर काम कर रहा है। उन्होंने अपने उद्बोधन में असम के नौगांव में किसानों द्वारा हाथियों की भूख मिटाने के अभिनव प्रयास एवं दो नए टाईगर रिजर्वों गुरू घासीदास-तमोर पिंगला (छत्तीसगढ़), रातापानी (मध्यप्रदेश) का जिक्र भी किया। साथ ही, मोदी ने स्वामी विवेकानंद जयंती पर आयोजित कार्यक्रमों का स्मरण भी किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रयागराज महाकुम्भ में श्रद्धालुओं के लिए बेहतरीन व्यवस्था की गई है। महाकुम्भ हमारे देश की प्राचीन संस्कृति और परम्परा का प्रतीक है। ऐसी पुरातन एवं वैभवशाली परम्परा दुनिया में कहीं और देखने को नहीं मिलती है जहां करोड़ों लोग बिना किसी भेदभाव के एक साथ संगम में डुबकी लगाते हैं। प्रत्येक भारतवासी को ऐसी गौरवशाली परम्परा पर गर्व होना चाहिए। उन्होंने कहा कि 'मन की बात' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का उद्बोधन हम सब देशवासियों के लिए सदैव प्रेरणादायी होने के साथ ही, उत्सावर्धक होता है। उनके उद्बोधन के माध्यम से हमें हमारे देश की उपलब्धियों के बारे में जानकारी मिलती है और गर्व महसूस होता है।

विप्र समाज नहीं, भारत की संस्कृति है : बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा है कि जो समाज महिला सशक्तिकरण, समाज सेवा और सामाजिक समरसता के लिए कार्य करता है, वही निरंतर आगे बढ़ता है। बागड़े रविवार को छत्रपति संभाजी नगर में विप्र फाउंडेशन, विभागीय अधिवेशन का उद्घाटन करने के बाद समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विप्र समाज नहीं भारत की संस्कृति है। जो ब्रह्म यानी अंतिम सत्य को जानता है, वही विप्र है।

बागड़े ने वैदिक काल से ब्राह्मणों के रहे गौरवमई अतीत को स्मरण करते हुए कहा कि जब-जब समाज में अंधकार छाया है, धरती पर विधर्मियों के कारण संकट आए हैं तब ब्राह्मणों ने आगे आकर समाज को आलोक पथ दिखाने का कार्य किया है। उन्होंने विप्र समाज द्वारा समाज हित में किए जा रहे कार्यों के बारे में जानकारी ली और कहा कि संपूर्ण मानवता के कल्याण के लिए समाज निरंतर कार्य करे। उन्होंने भगवान परशुराम और उनके तेज को स्मरण करते हुए महाराष्ट्र, बंगाल, आन्ध्रप्रदेश, कर्नाटक आदि में विप्र समाज संगठन द्वारा किए जा रहे कार्यो को महत्वपूर्ण बताया।

जोधपुर में अभाविप की दो-दिवसीय केंद्रीय कार्यसमिति की बैठक शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की दो-दिवसीय केंद्रीय कार्यसमिति बैठक का राजस्थान के जोधपुर स्थित रघुवंशपुरम आश्रम में शुभारंभ हुआ। बैठक में शैक्षिक, सामाजिक, संगठनात्मक, पर्यावरणीय, सांस्कृतिक, खेल और सेवा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहन चर्चा की जाएगी और आगामी कार्यों की योजना तैयार की जाएगी। देश के हर राज्य से कुल 102 प्रतिनिधि इस बैठक में भाग ले रहे हैं। बैठक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह-सरकार्यवाह मुकुंद सीआर विशेष रूप से उपस्थित रहे।

बैठक में वर्तमान शैक्षिक, राष्ट्रीय एवं सामाजिक परिस्थितियों पर चर्चा के साथ विचार बैठक 2025 के स्वरूप और प्रारूप, 70वें राष्ट्रीय अधिवेशन (2024-25) की समीक्षा और विद्यार्थियों से जुड़े मुद्दों के अनुवर्तन पर विचार किया गया। परिसर चलो अभियान, भारतीय गणतंत्र के 75 वर्ष, स्वामी दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती, रानी दुर्गावती की पंचशती पूर्ति और संघ शताब्दी वर्ष जैसे विशेष अभियानों की योजनाएं बनाई गईं। संगठनात्मक कार्यों और विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम सुधार पर चर्चा के साथ आगामी वर्षों (2025-26 और 2026-27) की योजनाओं के लिए सुझाव दिए गए। सदस्यता अभियान और महाविद्यालय इकाइयों की प्रगति की समीक्षा भी की गई।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री वीरेंद्र सोलंकी ने बताया कि सत्र 2024-25 में देश भर में कुल 57,82,877 विद्यार्थियों ने अभाविप की सदस्यता ली है। विगत वर्ष की तुलना में लगभग आठ लाख से अधिक विद्यार्थीयों ने अभाविप की सदस्यता ग्रहण की। बैठक के पहले दिन शिक्षा से जुड़े कई मुद्दों पर गहन चिंतन किया गया जिसमे देश भर के शैक्षिक परिसरों में चल रही अनियमितताओं, राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन, शैक्षिक संस्थानों में हो रही शुल्क वृद्धि और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार आदि बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा हुई।

अभाविप के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजशरण शाही ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा और सांस्कृतिक मूल्यों का समावेश समय की आवश्यकता है।

सड़क हादसे में चार लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर। राजस्थान के बीकानेर जिले के लूणकरणसर थाना क्षेत्र स्थित हंसेरा गांव में शनिवार रात एक दिल दहला देने वाली सड़क दुर्घटना ने चार लोगों की जान ले ली।

घटना में चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। यह हादसा तब हुआ जब भोजासर से पेमासर जा रही एक बारात की अर्टिगा कार का टायर फट गया और वह दुर्घटनाग्रस्त हो गई। मृतकों की पहचान भोजासर निवासी भगवान दास, विनोद, सुनील और रावतसर निवासी कालूराम के रूप में हुई है। सभी मृतक एक ही परिवार के सदस्य बताए जा रहे हैं।

सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और राहतकर्मी मौके पर पहुंचे और घायलों को तत्काल स्थानीय चिकित्सालय पहुंचाया। गंभीर रूप से घायल तीन लोगों को बीकानेर के पीबीएम अस्पताल रेफर किया गया। अस्पताल में इलाज के दौरान इनमें से एक की हालत गंभीर बनी हुई है। अन्य तीन घायलों का इलाज अभी भी स्थानीय अस्पताल में जारी है।

जानकारी के अनुसार, यह बारात भोजासर से पेमासर के लिए रवाना हुई थी, जिसमें बस और कारों का काफिला शामिल था। दुर्घटना के समय अर्टिगा कार का टायर फटने से यह हादसा हुआ, जिससे कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई और उसमें सवार लोग घायल हो गए। हादसा इतना भीषण था कि मौके पर ही चार लोगों की मौत हो गई।

पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और दुर्घटना के कारणों की गहनता से जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह एक गंभीर सड़क दुर्घटना है, और उचित कार्रवाई की जाएगी। इस हादसे के बाद से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है।

भजनलाल सरकार ने पूरे नही किए वादे, सेवादल की बढ़ी जिम्मेदारी : डोटासरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राष्ट्रीय कांग्रेस सेवादल की 3 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में पीसीसी चीफ गोविन्द सिंह डोटासरा भी शामिल हुए। डोटासरा ने सेवादल के कार्यों की सराहना करते हुए आगामी दिनों में सेवादल की संगठन में बड़ी भूमिका रहने की बात कही। डोटासरा ने भजनलाल सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि इस सरकार ने अपने चुनावी घोषणा पत्र में महिलाओं, युवाओं, किसानों और आम लोगों से किए वादे अब तक नहीं निभाए। इस पर्ची सरकार ने हमारे समय की जनकल्याणकारी योजनाओं को बंद कर के लोगों को परेशान किया है। लोग अब कांग्रेस शासन को याद कर रहे हैं।

ऐसे समय में सेवादल की लोगों के बीच में भूमिका और बढ़ जाती है। सेवादल संग़ठन कांग्रेस की रीढ की हड्डी मानी जाती है, जो लोगों के बीच मे रहकर कांग्रेस की रीति नीति और सिद्धांतों को लोगों तक पहुंचाती है। भाजपा सरकार में लोग जिस तरह से अपने हकों को लेकर परेशान हो रहे हैं, तो सेवादल के कार्यकर्ता को लोगों के बीच जाकर पर्ची सरकार की सच्चाई उजागर करनी होगी। राष्ट्रीय सेवादल की इस 3 दिन की बैठक में कई ज्वलंत मुद्दों पर चिंतन मंथन हुआ है और संगठन में सक्रियता बढ़ाने के लिए कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए हैं। मुझे उम्मीद है कि सेवादल जल्दी ही नए कलेवर में सामने आकर संगठन को मजबूत करेंगे। इस अवसर पर सेवादल प्रदेशाध्यक्ष हेम सिंह शेखावत सहित कई राष्ट्रीय पदाधिकारी मौजूद रहे।

शिक्षा मंत्री ने कोटा में विद्यार्थियों की आत्महत्या का कारण 'प्रेम प्रसंग' बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कोटा में विद्यार्थियों द्वारा आत्महत्या किये जाने के पीछे 'प्रेम प्रसंग' को एक कारण करार दिया। उन्होंने साथ ही अभिभावकों से आग्रह किया कि वे सतर्क रहें और अपने बच्चों पर पढ़ाई के लिए दबाव न डालें। इस वर्ष कोटा में चार विद्यार्थियों ने आत्महत्या की है। कोचिंग संस्थानों के प्रमुख केंद्र कोटा में 2024 में आत्महत्या के 17 मामले सामने आए थे। दिलावर (जो पंचायती राज विभाग भी संभालते हैं) बूंदी में एक कार्यक्रम के बाद पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस कार्यक्रम में लाभार्थियों को भूमि स्वामित्व के लिए 'स्वामित्व' कार्ड जारी किए गए। कोटा में विद्यार्थियों द्वारा आत्महत्या किये जाने के बारे में पूछे जाने पर मंत्री ने कहा कि वह अभिभावकों से आग्रह करना चाहते हैं कि उन्हें सतर्क रहना चाहिए और अपने बच्चों पर पढ़ाई को लेकर दबाव नहीं डालना चाहिए। दिलावर ने कहा, मैं ईमानदारी से आग्रह करना चाहूंगा, हालांकि मेरे शब्द कुछ लोगों को परेशान कर सकते हैं कि माता-पिता को चौकस और सावधान रहना चाहिए तथा उन्हें अपने बच्चों पर दबाव नहीं डालना चाहिए।

इस्कॉन बेंगलूरु ने निकाली 40वीं वार्षिक कृष्ण-बलराम रथयात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। इस्कॉन बेंगलूरु ने अपनी 40वीं वार्षिक श्री श्री कृष्ण–बलराम रथ यात्रा धूमधाम, भक्ति और भव्यता के साथ मनाई। यात्रा के दौरान भुवनगिरी आश्रम के श्री श्री सुविद्येन्द्र तीर्थ स्वामीजी की दिव्य उपस्थिति रही साथ ही समाज के कई गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए। अपने आशीर्वाद में स्वामीजी ने कहा, इस्कॉन की उपस्थिति ने बेंगलूरु को महानगर से महाक्षेत्र में बदल दिया है। अक्रूर ने मूल कृष्ण बलराम रथ यात्रा की थी, जो उन्हें कंस वध के लिए वृंदावन से मथुरा ले गई थी। उन्होंने कहा, वर्तमान में, इस्कॉन के भक्त अक्रूर की तरह, हम भी कृष्ण बलराम रथ यात्रा करके बुरी आत्माओं को परास्त कर रहे हैं और समाज में शांति, सद्भाव और भक्ति का माहौल बना रहे हैं। वे इसका निर्माण कर रहे हैं।

इस अवसर पर बोलते हुए कर्नाटक सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडू राव ने कहा, जैसे ही हम इस्कॉन बेंगलूरु मंदिर में प्रवेश करते हैं, हम भक्तिमय उत्साह और ऊर्जा से अभिभूत हो जाते हैं जो अन्यत्र नहीं मिलता। मैं मैं बचपन से ही इस्कॉन से जुड़ा हुआ हूं और मेरे पिता गुंडू राव, जो उस समय राज्य के मुख्यमंत्री थे बेंगलूरु में मंदिर में आए थे। महालक्ष्मी लेआउट निर्वाचन क्षेत्र के विधायक गोपालैया और पूर्व विधायक नरेंद्र बाबू ने इस्कॉन बैंगलोर के कार्यों की प्रशंसा की, जिसके लाखों भक्त हैं।ग्लोबल हरे कृष्ण मूवमेंट के अध्यक्ष, अक्षय पात्र फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष और इस्कॉन बेंगलूरु के अध्यक्ष मधु पंडित दास ने अपने भावपूर्ण भाषण में कहा, इस्कॉन बेंगलूरु के श्री श्री कृष्ण बलराम कई वर्षों से लाखों भक्तों को आशीर्वाद दे रहे हैं। उनकी कृपा से हम जल्द ही एक नया अन्नदान भवन खोलने जा रहे हैं जो प्रतिदिन 6000 से अधिक तीर्थयात्रियों को दोपहर का भोजन उपलब्ध कराएगा। 26 फीट ऊंचे इस भव्य रथ को सुंदर सजावट, आधुनिक सुरक्षा उपकरणों और इलेक्ट्रिक ब्रेक प्रणाली से सुसज्जित किया गया था। राजाजीनगर की सड़कें मधुर भजनों, मृदंग और तालियों की मधुर ध्वनि से गूंज रही थीं, जिससे वातावरण संगीतमय हो गया था। इस अद्भुत आध्यात्मिक यात्रा के दौरान, भक्तों ने हृदय से प्रार्थना की तथा कृष्ण और बलराम के सारथी को फल, विभिन्न फूल और मिठाइयां आदि उपहार अर्पित किए। सैकड़ों स्वयंसेवकों ने अपनी उत्कृष्ट सेवा से कार्यक्रम के सुचारू संचालन में सहयोग दिया। रथ यात्रा के दौरान मार्ग पर एकत्रित हजारों लोगों को निःशुल्क प्रसाद वितरित किया गया।

बर्लिन अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में प्रदर्शित होगी कन्नड़ फिल्म 'वाघाचिपानी'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

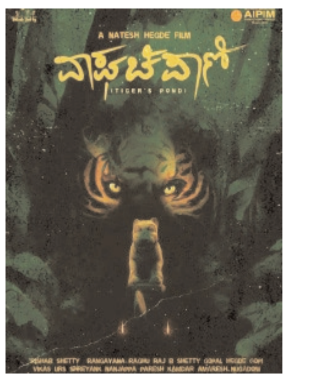

बेंगलूरु। फिल्मकार नतेश हेगड़े की कन्नड़ फिल्म 'वाघाचिपानी' को 75वें बर्लिन अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव की 'फोरम मेन श्रेणी' में प्रदर्शन के लिए चुना गया है। यह सम्मान पाने वाली 'वाघाचिपानी' पहली कन्नड़ फिल्म है।

'वाघाचिपानी' को 'पांच महाद्वीपों की 30 फिल्मों' में चुना गया है। बर्लिनले के नाम से लोकप्रिय यह फिल्म महोत्सव जर्मनी के बर्लिन में 13 से 23 फरवरी तक आयोजित होगा। 'वाघाचिपानी' हेगड़े की दूसरी फिल्म है। उनकी पहली फिल्म 'पेड्रो' को दुनिया भर के फिल्म समारोहों में काफी सराहना मिली थी। 'पेड्रो' बेंगलूरु अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (बीआईएफएफ) में भी अभी तक प्रदर्शित नहीं हुई है। लेकिन यह 'पेड्रो' ही थी जिसने उन्हें 'वाघाचिपानी' के लिए अनुराग कश्यप जैसे निर्माता को खोजने में मदद की।

नतेश हेगड़े ने पीटीआई–भाषा से कहा, अनुराग और मेरी मुलाकात एक फिल्म महोत्सव में हुई थी, जहां 'पेड्रो' फिल्म दिखाई जा रही थी और इसके बाद हम दोस्त बन गए। उन्होंने मुझसे कहा कि वह मेरी अगली परियोजना से किसी न किसी रूप में जुड़ना चाहते हैं। इस तरह वे 'वाघाचिपानी' के सह–निर्माता बन गए।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री और केपीसीसी अध्यक्ष डीके शिवकुमार रविवार को बेलगावी के कपिलेश्वर मंदिर में पूजा–अर्चना करते हुए।

भाजपा विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने पार्टी प्रदेश अध्यक्ष पर फिर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विजयपुरा। कर्नाटक के विजयपुरा से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने रविवार को एक बार फिर बी. वाई. विजयेंद्र पर निशाना साधते हुए कहा कि वह उन्हें भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में स्वीकार नहीं कर सकते। यतनाल ने विजयेंद्र के पिता एवं राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री बी. एस. येडीयुरप्पा से कहा कि वह अपने बेटे के प्रति 'मोह' त्याग दें और पार्टी पर ध्यान केंद्रित करें।

यतनाल ने विजयपुरा में संवाददाताओं से कहा, ''हम उन्हें (विजयेंद्र को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के रूप में) स्वीकार नहीं कर सकते। यह संभव नहीं है। हम ऐसे व्यक्ति को कैसे स्वीकार कर सकते हैं जिसने 'डुप्लिकेट' (जाली) हस्ताक्षर करके अपने पिता को जेल भेज दिया? कांग्रेस नेता बी के हरिप्रसाद ने यह कहा था। हमारी पार्टी इसकी इजाजत नहीं देती। हमारे आलाकमान को इसे गंभीरता से लेना चाहिए।''

विधायक ने आरोप लगाया, ''मैं येडीयुरप्पा से अनुरोध करता हूं कि वे अपने बेटे के प्रति मोह त्याग दें और पार्टी पर ध्यान केंद्रित करें। स्वीकार करें कि आपका बेटा अयोग्य और अक्षम है।'' यतनाल की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया जताते हुए विजयेंद्र ने कहा कि पार्टी आलाकमान ने उन्हें आशीर्वाद दिया है, जिसके कारण वे पिछले एक साल से पद पर हैं। यतनाल द्वारा उनके खिलाफ की गई टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर विजयेंद्र ने कहा, ''ईश्वर उन्हें आशीर्वाद दें।''

येडीयुरप्पा और विजयेंद्र के कड़े आलोचक यतनाल ने शनिवार को भी पिता–पुत्र के खिलाफ तीखी टिप्पणी की थी। विजयेंद्र के खिलाफ यतनाल और गोकक से भाजपा विधायक रमेश जरकीहोली काफी मुखर रहे हैं। यतनाल को भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व द्वारा कई बार नोटिस दिया गया, लेकिन वे अपने रुख पर कायम रहे और पिता–पुत्र (विजेंद्र और येदियुरप्पा) पर निशाना साधना जारी रखा। उन्होंने भाजपा के शीर्ष नेताओं से येदियुरप्पा, उनके बेटों – शिवमोगा के सांसद बी वाई राघवेंद्र और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र के खिलाफ कार्रवाई करने की अपील की ताकि ''कांग्रेस की वंशवादी राजनीति के खिलाफ प्रभावी लड़ाई'' लड़ी जा सके।

बेंगलूरु में बेमौसम बारिश, आईएमडी ने पूरे कर्नाटक में बारिश का पूर्वानुमान जताया

बेंगलूरु। बेंगलूरु में सुबह–सुबह हुई बारिश ने लोगों को चौंका दिया हालांकि भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने न केवल राज्य की राजधानी में बल्कि दक्षिण कर्नाटक के अंदरूनी इलाकों और मलनाड क्षेत्रों में भी बारिश का पूर्वानुमान जताया है। कर्नाटक प्राकृतिक आपदा प्रबंधन केंद्र (केएसएनडीएमसी) ने भी 'एक्स' पर प्रदेश में बारिश की चेतावनी जारी की। केएसएनडीएमसी ने पोस्ट में कहा, राज्य के दक्षिणी हिस्से के अंदरूनी, तटीय और पहाड़ी जिलों में छिटपुट मध्यम बारिश हुई। उत्तरी आंतरिक जिलों में शुष्क हवा चलने की संभावना है। राज्य में मध्यम से घना कोहरा रहेगा और छिटपुट बारिश होगी। एमजी रोड, जयनगर, हेब्बाल, सुल्तानपाल्या, आरटी नगर और आरआर नगर जैसे इलाकों में रविवार को हल्की बारिश हुई। आईएमडी के अनुसार, बेंगलूरु में अप्रत्याशित बारिश का कारण श्रीलंका के पूर्वी तट और बंगाल की खाड़ी के दक्षिण–पश्चिम में बने चक्रवात को माना जा रहा है। इस घटनाक्रम का कर्नाटक के कई जिलों में प्रभाव पड़ा, जिसमें बेंगलूरु भी शामिल है। बेंगलूरु में बारिश हुई और इलाकों में ठंडक रही।

बेंगलूरु स्थित मौसम विज्ञान केंद्र ने अगले 48 घंटों के दौरान बेंगलूरु में हल्की बारिश का पूर्वानुमान जताया।

परिचालन लागत बढ़ने के कारण बेंगलूरु मेट्रो के किराए में हो सकती है भारी वृद्धि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीएमआरसीएल) के परिचालन लागत में वृद्धि का हवाला देते हुए किराये में उल्लेखनीय वृद्धि करने की तैयारी में है। सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। बीएमआरसीएल सूत्रों के अनुसार, यह बढ़ोतरी 30 से 40 प्रतिशत के बीच होगी। यह निर्णय राज्य परिवहन विभाग द्वारा सभी श्रेणियों के बस किराये में 15 प्रतिशत की वृद्धि के तुरंत बाद लिया गया है।

बीएमआरसीएल के एक अधिकारी ने 'पीटीआई–भाषा' को बताया, बीएमआरसीएल बोर्ड ने किराया वृद्धि को लगभग मंजूरी दे दी है और पूरी संभावना है कि संशोधित किराया इसी महीने लागू हो जाएगा। उनके अनुसार, परिचालन लागत में अत्यधिक वृद्धि हुई है, जिसके कारण बोर्ड को यह निर्णय लेना पड़ा।

अधिकारी ने कहा, हमें विभिन्न एजेंसियों और वित्तीय संस्थानों से वित्त पोषण मिलता है और हमें उन ऋणों का भुगतान करना होता है। इसलिए, वेतन वृद्धि अपरिहार्य है। उन्होंने यह भी कहा कि बीएमआरसीएल को राज्य सरकार द्वारा वित्त पोषित नहीं किया जाता है।

मंगलूरु में आठवां अंतरराष्ट्रीय पतंग महोत्सव, कलात्मक डिजाइन वाली पतंगें रही आकर्षण का केंद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। मंगलूरु में आठवें अंतरराष्ट्रीय पतंग उत्सव के दौरान कथकली और यक्षगान जैसे भारतीय नाट्यरूपों, पुष्पक विमान व गजराज गरुड़ जैसे डिजाइन और कार्टून के पात्रों वाली पतंगें उड़ती दिखाई दीं। शनिवार को तन्निरभवी समुद्र तट पर आयोजित इस महोत्सव का उद्घाटन कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने किया।

उन्होंने कहा, ''वैश्विक रुची वाले इस महोत्सव में और भी अधिक दर्शकों को आकर्षित करने की अपार संभावनाएं हैं। अगले साल एक भव्य, अधिक प्रतिस्पर्धी कार्यक्रम आयोजित करने का लक्ष्य रखा जाएगा।'' शौकिया पतंगबाजों के समूह 'टीम मंगलूरु' ने 'ओएनजीसी एमआरपीएल' और जिला प्रशासन के सहयोग से करावली उत्सव' के तहत इस कार्यक्रम का आयोजन किया। इस वर्ष का विषय था 'एक आकाश, एक धरती, एक परिवार।'

उत्सव में हजारों लोगों और पतंगबाजों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। इसमें इंग्लैंड, जर्मनी, इटली, नीदरलैंड, स्लोवेनिया, स्वीडन, इंडोनेशिया और पुर्तगाल जैसे देशों की अंतरराष्ट्रीय टीमें ओडिशा, राजस्थान, महाराष्ट्र, तेलंगाना, केरल और गुजरात जैसे राज्यों की भारतीय टीम शामिल हुईं।

गोमूत्र के औषधीय गुण बता रहे आईआईटी मद्रास के निदेशक कामकोटि का वीडियो वायरल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई।भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास के निदेशक वी. कामकोटि का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है, जिसमें वह गोमूत्र के औषधीय गुणों' की कथित तौर पर सराहना करते देखे जा सकते हैं। वह गायों की देशी नस्ल की रक्षा करने और जैविक खेती अपनाने के महत्व पर बोल रहे थे।

कामकोटि ने यहां मट्टू पोंगल (15 जनवरी 2025) के दिन 'गो संरक्षण शाला' में आयोजित एक कार्यक्रम में यह बात कही। उन्होंने यह टिप्पणी एक संन्यासी के जीवन से जुड़ा एक किस्सा सुनाते हुए की, जिसने तेज बुखार होने पर गोमूत्र का सेवन किया और ठीक हो गया था। निदेशक ने कथित तौर पर गोमूत्र के 'एंटी–बैक्टीरियल, एंटी–फंगल और पाचन सुधार गुणों'' के बारे में बात की और कहा कि यह बड़ी आंत से संबंधित बीमारी 'इरिटेबल बाउल सिंड्रोम' जैसी समस्याओं के लिए उपयोगी है तथा इसके ''औषधीय गुण'' पर विचार करने की हिमायत की।

उन्होंने जैविक खेती के महत्व और कृषि तथा समग्र अर्थव्यवस्था में मवेशियों की स्वदेशी नस्लों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए यह टिप्पणी की। तर्कवादी संगठन द्रविड़ कषगम ने गोमूत्र संबंधी उनकी टिप्पणी की आलोचना करते हुए कहा कि यह सच्चाई के खिलाफ है और ''शर्मनाक'' है। द्रमुक नेता टीकेएस एलंगोवन ने कामकोटि की टिप्पणी को लेकर उन पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की मंशा देश में 'शिक्षा को खराब' करने की है।

थानथई पेरियार द्रविड़ कषगम के नेता के. रामकृष्णन ने कहा कि कामकोटि को अपने दावे के लिए सबूत देना चाहिए या माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा, अगर उन्होंने माफी नहीं मांगी तो हम उनके खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेंगे। कांग्रेस नेता कार्ति पी. चिदंबरम ने कामकोटि की टिप्पणी की निंदा की और कहा, आईआईटी मद्रास के निदेशक द्वारा इस तरह की बात का प्रचार किया जाना अनुचित है।

आईआईटी के निदेशक ने गायों की रक्षा के लिए 'गो संरक्षण' पर जोर देते हुए कहा कि इसके आर्थिक, पोषण संबंधी और पर्यावरणीय लाभ हैं। कामकोटि ने कहा, अगर हम उर्वरकों का उपयोग करते हैं तो हम भूमि माता (धरती) को भूल सकते हैं। हम जितनी जल्दी जैविक, प्राकृतिक खेती अपनाएंगे, उतना ही हमारे लिए अच्छा है। आईआईटी–मद्रास के शीर्ष प्राध्यापक ने आरोप लगाया कि ब्रिटिश शासन भारत को गुलाम बनाने के लिए अर्थव्यवस्था की बुनियादी चीज देशी गायों को खत्म करने के पक्ष में थे।

सुविचार

ये सत्य है कि भगवान एक शेर में भी है, लेकिन हमें जाकर उसका सामना नहीं करना चाहिए। इसी प्रकार ये सत्य है कि ईश्वर सबसे दुष्ट के अंदर भी निवास करता है परंतु हमें दुष्ट से जुड़ना नहीं रखना चाहिए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

'अलग-थलग' पाकिस्तान

विदेश मंत्री एस जयशंकर के ये शब्द रावलपिंडी और इस्लामाबाद तक जरूर पहुंचे होंगे कि आतंकवाद का 'कैंसर' अब पाकिस्तान की राजनीतिक व्यवस्था को निगल रहा है और सीमा पार आतंकवादी गतिविधियों को समर्थन देने के कारण वह 'अलग-थलग' पड़ा हुआ है। बेशक दहशत के सौदे ने ही पाकिस्तान को सबसे ज्यादा तबाह किया है। इस पड़ोसी देश पर जौन एलिया के ये शब्द पूरी तरह लागू होते हैं- 'मैं भी बहुत अजीब हूं, इतना अजीब हूं कि बस.. ख़ुद को तबाह कर लिया और मलाल भी नहीं!' पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था तहस-नहस हो चुकी है। वहां कट्टरपंथ और आतंकवाद का बोलबाला है। उसकी मुद्रा में भारी गिरावट आ चुकी है। क्या पाकिस्तान इससे सबक लेगा? क्या भारत के लिए आतंकवाद संबंधी चुनौतियां कम होंगी? अगर पिछले अनुभवों को याद करें तो निकट भविष्य में इसकी कोई संभावना नहीं है। इस समय भारत को पाकिस्तान की घेराबंदी ज्यादा मजबूत करनी चाहिए। वह जिन स्रोतों से धन अर्जित कर उसका इस्तेमाल आतंकवाद की आग भड़काने के लिए करता है, इसके पुख्ता प्रमाण जुटाकर उसे एफएटीएफ की ब्लैक लिस्ट में पहुंचाने के लिए भरपूर कोशिशें करनी चाहिएं। भले ही पाकिस्तान के लिए आर्थिक मोर्चे पर खासी तंगहाली है, लेकिन न उसके मंसूबे बदले हैं और न उसने अपनी ज़िद छोड़ी है। पहले, पाकिस्तान आतंकवाद संबंधी अपनी खुराफातों को अंजाम देने के लिए जो तौर-तरीके अपनाता था, अब उनमें बहुत बदलाव आ गया है। इंटरनेट और ड्रोन, ये दो ऐसे माध्यम हैं, जिनके जरिए वह गड़बड़ करने की कोशिशें करता रहता है। एक तो इनमें जोखिम बहुत कम है, दूसरे इनका दायरा बहुत बड़ा किया जा सकता है।

बांग्लादेश के साथ पाकिस्तान की बढ़ती नजदीकी भी एक खतरा है। हाल में ढाका ने पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वीजा संबंधी नियम आसान कर दिए। बांग्लादेश और पाकिस्तान की सेनाओं के बीच 'सहयोग' बढ़ाने की चर्चा हो रही है। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में बांग्लादेश जिस दिशा में जा रहा है, उससे पाकिस्तानी कट्टरपंथी संगठनों के अलावा आईएसआई के लिए भी ढाका 'उपजाऊ' ज़मीन साबित हो सकता है। चूंकि इस समय बांग्लादेश सियासी तौर पर उथल-पुथल के दौर से गुजर रहा है। मौजूदा सरकार की पकड़ बहुत कमजोर है। यूनुस ऐसा कोई फैसला नहीं लेना चाहते, जिससे कट्टरपंथी संगठन उनके खिलाफ भी मोर्चा खोल दें। अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना बांग्लादेशी कट्टरपंथियों के अलावा आईएसआई की आंखों में भी खटकती थीं। जब वे स्वदेश छोड़कर भारत आईं, पाकिस्तानी फौज के सेवानिवृत्त अधिकारी टीवी स्टूडियो में खुशियां मनाते देखे गए थे। शेख हसीना को सत्ता से हटते देखना आईएसआई का पुराना ख्वाब था, जो दुर्भाग्य से पूरा हो गया। अब इस्लामाबाद से 'सहयोग बढ़ाने' के नाम पर ढाका साजिशों का नया अड्डा बन सकता है। बेशक पाकिस्तान अपनी आतंकवादी हरकतों के कारण 'अलग-थलग' पड़ा है। हाल में सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों ने बड़ी संख्या में पाकिस्तानियों के वीजा आवेदन खारिज किए थे। खाड़ी देशों में पाकिस्तानियों के आगमन की शर्तें कड़ी कर दी गई हैं। इससे पाक के विदेशी मुद्रा भंडार को तगड़ी चोट पहुंची है। दूसरी ओर मालदीव, बांग्लादेश और चीन जैसे देशों के साथ पाकिस्तान की नजदीकी 'साजिशी नेटवर्क' बना रही है। इनमें से चीन के साथ उसके आर्थिक हित जुड़े हुए हैं। 'भारतविरोध' इन तीनों के साथ जुड़ने की असल वजह है। इसलिए पाकिस्तान कितना ही 'अलग-थलग' पड़ जाए, उसकी अर्थव्यवस्था को नुकसान हो जाए, विदेशी मुद्रा भंडार खाली हो जाए, उसकी 'गतिविधियां' जारी रहेंगी, जिनका असरदार ढंग से जवाब देने के लिए भारत को राजनीतिक, आर्थिक, वैज्ञानिक, सैन्य और हर मोर्चे पर पूरी तैयारी के साथ सतर्क रहना होगा।

ट्वीटर टॉक

माँ भारती के गौरव और सम्मान के लिए आजीवन युद्धरत रहने वाले वीर शिरोमणि, महान योद्धा, महाराणा प्रताप जी की पुण्यतिथि पर उनके चरणों में विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ! मातृभूमि के लिए आपका त्याग और बलिदान राष्ट्र के लिए अप्रतिम प्रेरणा है।

-शिवराजसिंह चौहान

प्रयागराज में आस्था, श्रद्धा और एकता के महासमागम 'महाकुम्भ-2025' में पवित्र त्रिवेणी संगम पर आस्था की पावन डुबकी लगाने का अनुपम सौभाग्य प्राप्त हुआ। तत्पश्चात, लेटे हुए हनुमान जी महाराज के दिव्य दर्शन एवं पूर्ण विधि-विधान से पूजन-अर्चना की।

-भजनलाल शर्मा

कोटा में प्रभु श्री राम को समर्पित 'श्री राम चौक' का लोकार्पण किया। श्री राम धर्म, मर्यादा और आदर्श जीवन के प्रतीक हैं। राम केवल अयोध्या तक सीमित नहीं हैं, बल्कि हर गाँव, हर शहर और जनमानस के अंतर्मन में वास करते हैं और उनकी महिमा हर युग में प्रासंगिक रही है।

-ओम बिरला

प्रेरक प्रसंग

नैतिकता की सीख

एक बार महान दार्शनिक सोफोक्लीज के पास एक जाना-माना विद्वान आया। कहने लगा, 'मैं ज्ञान-साधक हूं। हर पल ज्ञान ही लेता रहता हूं और अब तीस साल के अपने साधक जीवन के बाद आप जैसी नैतिकता सीखना चाहता हूं।' सोफोक्लीज ने कहा, 'अच्छी बात है, लेकिन इसके लिए तो कुछ भी नहीं करना है बस सदाचारी बनो यही नैतिकता है।' 'क्या कह रहे हैं, बस इतना ही?' जिज्ञासु हैरत में पड़ गया। 'हां-हां, भरोसा रखो, इसके लिए कोई दंड बैठक या तपस्या की जरूरत नहीं है। बुराइयों को अपनाने के लिए कहीं सीखने जाना पड़ता है पर नैतिकता तो सहज है।' सोफोक्लीज की इतनी आसान सलाह उसे हजम नहीं हुई और बात सुनकर भी प्रश्नकर्ता संशय से उनका मुंह देखता रहा। अब सोफोक्लीज ने एक सवाल उसी से पूछा, 'अगर मैं तुमसे कहूं कि जाओ वहां से अमुक खजाने को चुरा लाओ तो ले आओगे?' 'एकदम तो नहीं ला सकूंगा पहले चोरी करना सीखना पड़ेगा।' 'और चोरी नहीं करना तुमने कैसे और कब सीखा?' 'अरे, यह कहीं से नहीं सीखा, चोरी नहीं करने की आदत तो मेरे भीतर हमेशा से स्थाई है।' 'तो अब तुमको नैतिकता का जवाब भी मिल गया होगा', कहकर सोफोक्लीज हौले-हौले से मुस्कुराने लगे।

सामयिक

डिजिटल युग में धर्म क्षेत्र में फेक न्यूज का खतरा

अशोक भाटिया
मोबाइल : 9221232130

फेक न्यूज को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुछ समय पूर्व एक सख्त संदेश जारी किया था । उन्होंने लोगों से आग्रह करते हुए कहा कि 'कुछ भी फॉरवर्ड करने से पहले 10 बार सोचें।' प्रधानमंत्री ने कहा था कि फेक न्यूज बेहद खतरनाक है और इसके कई गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

कुंभ मेले की सफलता को देखते हुए कुंभ मेले के विरोधियों को उनकी हरकतों से पहचाना जा सकता है .कुछ समय पूर्व समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव नै कहा था कि प्रयागराज में उतनी भीड़ नहीं है जितनी बताई जा रही है। इसके अलावा 'हैलो, महाकुंभ में बम ब्लास्ट होगा...' वगैरह ऐसे कई फेक वीडियो फैलाये जा रहे है जिससे कुंभ विरोधियों की हताशा स्पष्ट झलकती है।

कुंभ मेले में हाल ही में एक बड़ी चौंकाने वाली घटना घटी। आचार्य प्रशांत के नाम से एक झूठा पोस्टर वायरल हुआ, जिसमें दावा किया गया कि उन्होंने कुंभ को अंधविश्वास बताया है। जाच में यह दावा पूरी तरह से फर्जी निकला। आचार्य प्रशांत ने ऐसा कोई बयान कभी नहीं दिया। लेकिन इस झूठी खबर के कारण हिंसा भड़क गई। मौके पर मौजूद पूर्व सैनिक मोहन सिंह ने बताया कि यह पूरी तरह से सुनियोजित षड्यंत्र था।कुछ लोगों ने पहले फर्जी पोस्टर वायरल किया और फिर कुंभ में वितरित की जा रही आचार्य प्रशांत द्वारा लिखित भगवद गीता, उपनिषद, महाभारत, दुर्गा सप्तशती, शिव सूत्र और रामायण जैसी पुस्तकों को जला दिया। इतना ही नहीं, पुस्तक वितरकों के साथ मारपीट भी की गई। इस फेक न्यूज़ के फैलाने में जयपुर डायलॉग्स के संजय दीक्षित, इंडिया स्पीक्स डेली के संजय देव और एबीपी न्यूज़ जैसे संस्थानों की संलिप्तता सामने आई है। डिजिटल युग में फेक न्यूज़ का ख़तरा अब धर्म के क्षेत्र में भी देखने को मिल रहा है।

डिजिटल युग में फर्जी खबरें (फेक न्यूज) बड़ी चुनौती बनकर उभरी हैं, जिसमें जनता को गुमराह करने और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को बाधित करने की क्षमता है। हालाँकि, गलत सूचना को संबोधित करने में, भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19(1)(र) के तहत गारंटीकृत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार को संतुलित करना आवश्यक है। चुनौती नागरिकों के असहमति व्यक्त करने या राय व्यक्त करने के अधिकार का उल्लंघन किए बिना गलत सूचना का मुकाबला करने में है। यह पवित्रता ही है जो समाचार को समाज में एक विशिष्ट स्थान प्रदान करती है। लेकिन फर्जी खबरों की परिघटना समाचार के मूल मूल्यों को निशाना बनाती है, जो असामाजिक तत्वों, अफवाह फैलाने वालों या उन उच्च और शक्तिशाली लोगों के निजी हितों को पोषित करती है, जो समाचार की आड़ में अपना निजी एजेंडा आगे बढ़ाते हैं। जब फर्जी खबरों को डिजिटल पंख लग जाते हैं, तो यह वायरल पत्रकारिता में बदल जाती है। यदि इसका दुरुपयोग किया जाता है, तो यह हिंसा और घृणा फैला सकती है, तबाही मचा सकती है और नागरिक समाज के लिए विनाशकारी साबित हो सकती है। फैक्ट-चेकिंग संगठन समाचारों की पुष्टि करने और लोगों को फेक न्यूज़ के बारे में शिक्षित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इन संगठनों को सरकार और मीडिया द्वारा प्रोत्साहित एवं समर्थित किये जाने की आवश्यकता है। ऐसी ख़बरें रोकने के लिए आजकल कुछ चैनलों व समाचारपत्रों के आजतक फैक्ट चेक न्यूज़ में किसी भी तरह का राजनीतिक या परिस्थर्तिजन्य भेदभाव न करते हुए किसी ख़बर को फैक्ट चेक के लिए चुनने में पूरी तरह से निष्पक्ष रहते हैं। फैक्ट चेक प्रक्रिया शुरू करने के लिए किसी दावे के चयन में पहला कदम दर्शकों से मिले अनुरोध को देखना होता है। संभावित सूचनाओं, दुष्प्रचार, संदिग्ध वायरल पोस्ट और गलत सूचनाओं, जैसे किसी सार्वजनिक हस्ती के विवादास्पद बयान आदि के लिए लगातार मेनस्ट्रीम और सोशल मीडिया पर नजर रखा जाता है। किसी भी तरह के उकसाने वाले हैशटैग या वायरल वीडियो, मीम्स, फेसबुक पेज और वॉट्सऐप जैसे मैसेजिंग ऐप के द्वारा पहुंच सकते हैं। एक बार जब फैक्ट चेक के लिए सामग्री तय हो जाती है, तो रिसर्च और जांच के लिए मौके पर जाकर क्रॉस वेरिफिकेशन किया जाता है। फिर ख़बर तैयार करना और उसकी समीक्षा के लिए हम सत्यापित तथ्यों को देखते हैं और प्रासंगिक दृष्टिकोण के साथ ही सरल, सटीक और पारदर्शी तरीके से पेश करते हैं. फैक्ट चेक की ख़बर के प्रकाशन के बाद पाठकों और दर्शकों द्वारा स्टोरी पर या सोशल मीडिया के द्वारा की गई टिप्पणियों के रूप में मिले फीडबैक पर गहरी नजर रखी जाती है। पत्र सूचना कार्यालय की माने तो उसकी तथ्य-परीक्षण इकाई ने नवंबर 2019 में अपनी स्थापना के बाद से अब तक गलत सूचना के 1,160 मामलों का भंडाफोड़ किया है। फेक न्यूज़ रोकने के लिए व्यक्तियों को अपने सोशल मीडिया उपयोग के लिये ज़िम्मेदारी लेने की आवश्यकता है। उन्हें असत्यापित समाचारों को साझा करने से बचने और ऑनलाइन कंटेंट पर विवेकपूर्ण दृष्टिकोण रखने की आवश्यकता है। स्कूलों में और आम समाज में आलोचनात्मक सोच कौशल को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। लोगों को पढ़ी-सुनी गई बातों पर सवाल पूछ सकने और सूचना के विश्वसनीय स्रोतों की तलाश के लिये प्रोत्साहित किया जाना चाहिये।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार वर्ष 2020 में भारतीय दंड संहिता (खझउ) की धारा 505 के तहत फर्ज़ी/झूठी ख़बर/अफवाह का प्रसार' करने वाले लोगों के विरुद्ध दर्ज मामलों की संख्या में 214 प्रतिशत की वृद्धि हुई।भारत में फेक न्यूज़ के विरुद्ध सुदृढ़ कानूनों की ज़रूरत है, जबकि मीडिया संगठनों द्वारा तथ्य-परीक्षण (षरलीं-लहशलज्ञळपस) को एक नियमित अभ्यास के रूप में अपनाने और अधिक से अधिक जन जागरूकता का सृजन करने की आवश्यकता है। भारत में फेक न्यूज़ पर अंकुश लगाने की राह में कई चुनौतियाँ है जैसे भारत की डिजिटल साक्षरता दर अभी भी कम है, जिससे फेक न्यूज़ का प्रसार आसान हो जाता है, क्योंकि लोगों के पास प्रायः समाचार स्रोतों की प्रामाणिकता को सत्यापित करने का कौशल नहीं होता है। भारत में तथ्य-परीक्षण अवसंरचना सीमित है और कई मौजूदा तथ्य-परीक्षण संगठन तथ्य-परीक्षण इकाइयाँ) आकार में छोटे हैं तथा वित्तपोषण की कमी का सामना कर रहे हैं।वर्तमान में भारत में फेक न्यूज़ के प्रसार के लिये कठोर दंड का भी अभाव है, जिससे लोगों को फेक न्यूज़ सृजन और प्रसार से भय दिखाकर रोकना कठिन हो जाता है। भ्रामक सूचनाओं पर अंकुश लगाने में सबसे बड़ी बाधाओं में से एक है सोशल मीडिया मंचों द्वारा पारदर्शिता की कमी।ये मंच कुछ प्रकार की सूचना का खुलासा करते भी हैं तो डेटा को प्रायः इस तरीके से प्रस्तुत नहीं किया जाता है जो आसान विश्लेषण की सुविधा प्रदान करता हो।

पहचान की गुप्तता का सर्वप्रमुख कारण है प्रतिशोधी सरकारों के विरुद्ध सच बोलने में सक्षम होना या ऑनलाइन व्यक्त विचारों को ऑफ़लाइन दुनिया में वास्तविक व्यक्ति से संबद्ध किये जाने से बचना। बिना किसी असुरक्षा के लोगों को अपने विचार साझा कर सकने में मदद करने के बावजूद, यह इस अर्थ में अधिक हानि करता है कि लोग बिना कोई परिणाम भुगते भ्रामक सूचनाओं का प्रसार कर सकते हैं।

फेक न्यूज को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुछ समय पूर्व एक सख्त संदेश जारी किया था । उन्होंने लोगों से आग्रह करते हुए कहा कि 'कुछ भी फॉरवर्ड करने से पहले 10 बार सोचें।' प्रधानमंत्री ने कहा था कि फेक न्यूज बेहद खतरनाक है और इसके कई गंभीर परिणाम हो सकते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि कोई एक फर्जी खबर भी बढ़कर राष्ट्रीय चिंता का विषय बनने की क्षमता रखती है, लिहाजा उन पर लगाम कसने के लिए देश को उन्नत तकनीक पर जोर देना होगा।प्रधानमंत्री ने ऐसी किसी भी जानकारी को दूसरों के पास आगे भेजने से पहले विश्लेषण और सत्यापित करने के बारे में लोगों को शिक्षित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा, किसी भी जानकारी को आगे भेजने से पहले 10 बार सोचना चाहिए और इस पर विश्वास करने से पहले इसे सत्यापित करना अत्यंत आवश्यक है। हर मंच पर ऐसी सूचनाओं को सत्यापित करने के तरीके हैं। यदि आप विभिन्न स्रोतों के माध्यम से इसकी जांच परख करेंगे तो आपको इसका एक नया संस्करण मिलेगा।''प्रधानमंत्री ने कहा कि सोशल मीडिया को सिर्फ जानकारी के स्रोत के रूप ही सीमित नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक फर्जी खबर भी बढ़कर राष्ट्रीय चिंता का विषय बनने की क्षमता रखती है। उन्होंने कहा कि नौकरियों में आरक्षण के बारे में पूर्व में चली फर्जी खबरों के कारण भारत को नुकसान भी हुआ है। उन्होंने कहा, ''इनके प्रवाह को रोकने के लिए हमें उन्नत प्रौद्योगिकी पर जोर देना होगा।''

नजरिया

आज से बीस तीस साल पहले लोगों ने इंटरनेट का नाम तक नहीं सुना था मगर देखते देखते आज इंटरनेट आज हमारी जिंदगी का अभिन्न हिस्सा बन गया है। आज हम हर छोटी-छोटी चीजों के लिए इंटरनेट पर सर्च करते हैं। वर्तमान समय में इंटरनेट ने लोगों के जीवन में एक नई क्रांति ला दी है। रोजमर्रा की जिन्दगी में अब सारे कार्य कंप्यूटर और इंटरनेट द्वारा किए जा रहे हैं।

गांव गांव और घर घर पहुंचा इंटरनेट

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 8949519406

देश और दुनिया में दिन-ब-दिन इंटरनेट का इस्तेमाल बढ़ता जा रहा है। पहले बड़े इसे अपने काम के लिए उपयोग में लाते थे और अब यह बड़ों से बच्चों के हाथों में पहुँच कर हमारी जिंदगानी का अभिन्न और अहम हिस्सा बन गया है। आज बिना इंटरनेट जीवन अधूरा लगता है। इंटरनेट हमारी दिनचर्या में पूरी तरह घुलमिल गया है। भारत की बात करे तो आज इंटरनेट ने देश के महानगरों से होते हुए गांव गुवाड़ तक आसानी से अपनी पहुँच बना ली है। भारत में इस वर्ष इंटरनेट यूज़र्स की संख्या में जबरदस्त इजाफा हुआ है। 140 करोड़ की आबादी वाले देश में 90 करोड़ लोगों तक इंटरनेट पहुँच गया है।

इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया और अंतर्दृष्टि एवं परामर्श कंपनी ने हाल ही अपनी एक रिपोर्ट जारी कर बताया कि भारत में इंटरनेट का इस्तेमाल करने वालों की संख्या 2025 में 90 करोड़ करोड़ के पार होने वाली है। यह इजाफा डिजिटल कंटेंट के लिए भारतीय भाषाओं के बढ़ते इस्तेमाल से प्रेरित है। इंटरनेट इन इंडिया रिपोर्ट-2024 के मुताबिक, भारत में एक्टिव इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की तादाद 2024 में 88.6 करोड़ तक पहुंच गई है, जो सालाना आधार पर आठ फीसदी की मजबूत वृद्धि है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक देश की कुल इंटरनेट आबादी का 55 प्रतिशत हिस्सा (48.8 करोड़) ग्रामीण भारत से है। देश में कुल इंटरनेट उपयोगकर्ताओं में से 47 प्रतिशत महिलाएं हैं, जो अब तक का सर्वाधिक आंकड़ा है। ग्रामीण यूजर्स इंटरनेट का इस्तेमाल करने में रोज 89 मिनट बिता रहे है। जबकि, शहरों में ये आंकड़ा 94 मिनट है।

रिपोर्ट के अनुसार देश के 98 प्रतिशत यूजर्स भारतीय भाषाओं में इंटरनेट का इस्तेमाल करते हैं। इनमें से 57 प्रतिशत शहरी आबादी का हिस्सा है। डिजिटल कंटेंट के लिए भारतीय भाषाओं के बढ़ते इस्तेमाल की वजह से शहरों में हिंदी, मराठी, तमिल, गुजराती, तेलुगु, और बंगाली भाषा का सबसे अधिक उपयोग किया जाता है। रिपोर्ट में भारतीय भाषाओं के इस्तेमाल को इंटरनेट उपयोग में वृद्धि का अहम कारण माना गया है। भारत की इंटरनेट अर्थव्यवस्था महत्वपूर्ण वृद्धि के लिए तैयार है, उद्योग विशेषज्ञों का अनुमान है कि यह 2030 तक 1 ट्रिलियन तक पहुंच जाएगा। वहीं केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर के अनुसार 2026 तक देश के सकल घरेलू उत्पाद (ऋऊझ) में डिजिटल अर्थव्यवस्था का योगदान 20 प्रतिशत पर पहुंच जाएगा।

इंटरनेट का मतलब है इंटरनेशनल नेटवर्क यानी पूरे विश्व के नेटवर्क को इंटरनेट करते हैं। तथा इसको हिंदी में अंतरजाल कहते हैं। एक ऐसा नेटवर्क जिसे पूरी दुनिया के कंप्यूटर आपस में एक तार से जुड़े होते हैं। या हम यह भी कह सकते हैं कि पूरी दुनिया के सारे कंप्यूटर मकड़ी के जाल की तरह आपस में एक दूसरे से ही जुड़े हुए हैं। वैसे आमतौर पर आम भाषा में इसे केवल नेट करके ही बोला जाता है। इंटरेस्ट को वर्ल्ड वाइड वेब के नाम से भी जाना जाता है। वेब यानी कि इसका अर्थ तरंगों से होता है। आज देश और दुनिया के लगभग सभी घरों में ऑनलाइन पढ़ाई, खरीदारी, मनोरंजन और अन्य कामों के लिए इंटरनेट का इस्तेमाल हो रहा है।

आज से बीस तीस साल पहले लोगों ने इंटरनेट का नाम तक नहीं सुना था मगर देखते देखते आज इंटरनेट आज हमारी जिंदगी का अभिन्न हिस्सा बन गया है। आज हम हर छोटी-छोटी चीजों के लिए इंटरनेट पर सर्च करते हैं। वर्तमान समय में इंटरनेट ने लोगों के जीवन में एक नई क्रांति ला दी है। रोजमर्रा की जिन्दगी में अब सारे कार्य कंप्यूटर और इंटरनेट द्वारा किए जा रहे हैं। बहुत से लोगों का मानना है इंटरनेट के माध्यम से आमजन का जीवन आसान हो गया है क्योंकि इससे हम घर के बाहर गए बिना ही अपना बिल जमा करना व्यापारिक लेन -देन करना सामान खरीदना आदि काम कर सकते है.अब ये हमारे जीवन का खास हिस्सा बन चुका है। यहाँ तक की खाने पीने का सामान भी इंटरनेट से मंगाते है। वर्तमान समय में इंटरनेट ने लोगों के जीवन में एक नई क्रांति ला दी है। रोजमर्रा की जिन्दगी में अब सारे कार्य कंप्यूटर और इंटरनेट द्वारा किए जा रहे हैं।

छोटे बच्चों से लेकर युवा वर्ग और मध्यम वर्ग के लोगों में इंटरनेट को लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। परन्तु जहां एक तरफ इंटरनेट हमारे लिए वरदान साबित हो रहा है वहीं दूसरी ओर इंटरनेट के अत्याधिक इस्तेमाल से यह नुक्सान दायक साबित हो रहा है। इंटरनेट ज्ञान का खजाना है यह कहते हम थकते नहीं है। निश्चय ही यह हमारी जिंदगी में एक वरदान बनकर आया है मगर इसके दुरूपयोग ने हमें उजाले से अँधेरे में धकेलते देर नहीं लगायी यह भी एक सच्चाई है। पोर्न फिल्मे इंटरनेट की देन है। आज का युवा ज्ञान के स्थान पर अश्लीलता के अंधे कूप में गिर रहा है। यह सोचने और विचारने की बात है।

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

महाकुंभ मेले के सेक्टर 19 में रविवार को एक शिविर में पुआल में लगी आग तेजी से फैल गई और आग की चपेट में आने से करीब 18 शिविर जल गए। हालांकि अग्निशमन कर्मियों ने आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी (कुंभ) प्रमोद शर्मा ने बताया कि शाम करीब साढ़े चार बजे सेक्टर 19 में आग लगने की सूचना मिली और तुरंत दमकल की गाड़ियां घटनास्थल के लिए रवाना की गईं।

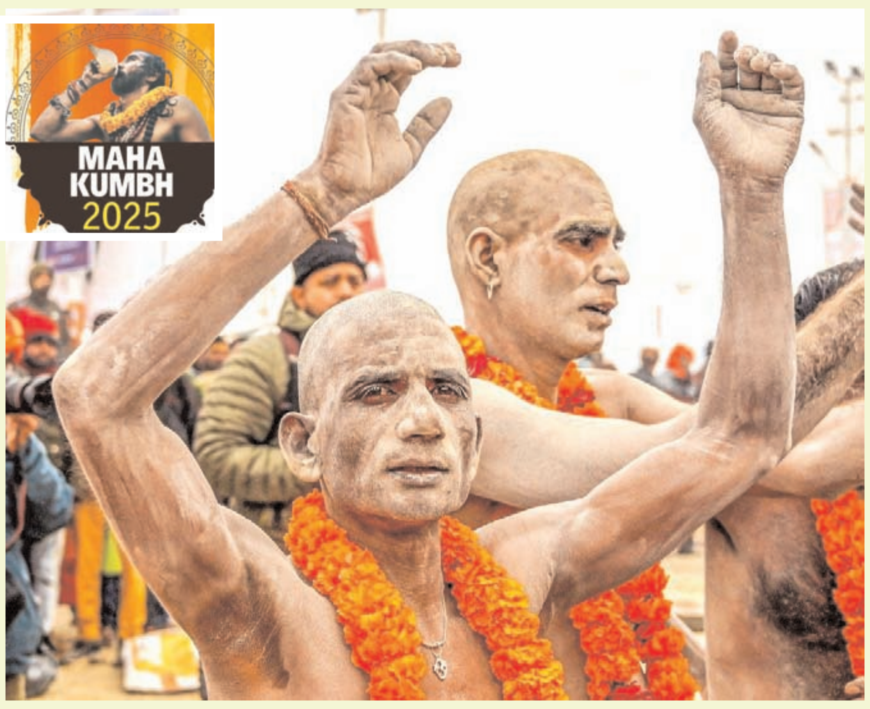

महाकुंभ का एक ही संदेश, एकता से ही अखंड रहेगा देश: योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुंभ नगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि महाकुंभ का एक ही संदेश है कि एकता से ही यह देश अखंड रहेगा। मुख्यमंत्री ने महाकुंभ में मौनी अमावस्या स्नान की तैयारियों की समीक्षा के बाद पत्रकारों से बातचीत में यह टिप्पणी की। आदित्यनाथ ने कहा, देश और दुनिया से बड़ी संख्या में श्रद्धालु महाकुंभ में आ रहे हैं। विदेशी श्रद्धालु भी संगम में स्नान कर अभिभूत नजर आ रहे हैं। यूरोप से जुड़े कुछ पर्यटक मिलने आए थे और प्रयागराज की महिमा का जिस भाव से गान कर रहे थे, वह अभिभूत करने वाला है। उन्होंने कहा कि ये पर्यटक हिंदी नहीं जानते, संस्कृत नहीं जानते, लेकिन हिंदी की चौपाई, संस्कृत के मंत्रों, अवधी की चौपाइयों, सनातन धर्म से जुड़े स्त्रोत और मंत्रों को सस्वर गा रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि मां गंगा और यहां के धामों के प्रति एक श्रद्धा का भाव उनमें देखने को मिल रहा था।आदित्यनाथ ने कहा, महाकुंभ के लिए प्रधानमंत्री जी ने जो विजन दिया है उसको स्थानीय स्तर पर लागू करने के लिए सभी लोग पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रहे हैं। पौष पूर्णिमा और मकर संक्रांति के मुख्य स्नान संपन्न हो चुके हैं और अब मौनी अमावस्या 29 जनवरी और बसंत पंचमी तीन फरवरी को दो बड़े महास्नान होने हैं। उन्होंने कहा कि सात हजार से अधिक संस्थाएं अब तक यहां पर आ चुकी हैं और आज पूरे महाकुंभ क्षेत्र का हवाई सर्वेक्षण किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्नानार्थियों और यहां रह रहे कल्पवासियों के साथ ही अन्य संस्थाओं से जुड़े लोगों की पूरी संख्या देखेंगे तो लगभग एक करोड़ से अधिक लोग यहां मौजूद हैं। उन्होंने कहा, इन्हीं सब व्यवस्थाओं को देखने के लिए मैंने मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को यहां भेजा था। मुझे पूरा विश्वास है कि भगवान प्रयागराज और मां गंगा की कृपा से हम लोग यहां पर इन दोनों स्नानों को सकुशल संपन्न करने में सफल होंगे। आदित्यनाथ ने कहा कि महाकुंभ में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह का कार्यक्रम भी प्रस्तावित है।

उन्होंने कहा, कई राज्यों के राज्यपाल व मुख्यमंत्री लगातार यहां आ रहे हैं। उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति भी लगातार यहां आकर स्नान कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, मकर संक्रांति और पौष पूर्णिमा के दिन हमें यह सौभाग्य नहीं मिल सका कि हम भी यहां स्नान कर सकें, क्योंकि हम लोगों ने खुद को प्रतिबंधित कर रखा था। केवल संतों और श्रद्धालुओं के लिए यह सुविधा थी।

महाकुंभ में सबसे बड़ा चमत्कार स्वयं को जानना : करौली शंकर महादेव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुंभ नगर। प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ की महिमा, सनातन संस्कृति, अध्यात्म और जीवन के उद्देश्य जैसे गूढ़ और जटिल विषयों पर करौली शंकर महादेव ने आईएएनएस से खास बातचीत की। करौली शंकर महादेव ने कुंभ की व्यवस्था को शानदार बताया। उन्होंने कहा कि यहां अद्वितीय और अलौकिक वातावरण है। हमारे गुरुओं की उपस्थिति अपने आप में एक आभा है। इसलिए सनातन का अनुसरण करने वाला व्यक्ति कुंभ में जाना चाहता है। जो जीवन को समझने में असफल हो रहे हैं, उनके लिए कुंभ में आना और भी महत्वपूर्ण है। उनको संतों का सानिध्य मिलता है। इस महाकुंभ में सबका स्वागत है। गली-गली इसका प्रचार है और सब लोग यहां आना चाहते हैं। यहां अधिक से अधिक लोगों को आना चाहिए और शरीर के साथ-साथ मन की भी स्वच्छता पर ध्यान देना चाहिए। सनातन धर्म में महाकुंभ पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि सनातन की प्रतिष्ठा पौराणिक काल से है। विशेष नक्षत्र में महाकुंभ का आयोजन होता है और इसमें जो भी व्यक्ति आता है, जरूरी नहीं कि वह गंगा स्नान करें। मानसिक रूप से भी लोग इस उद्देश्य से जुड़ते हैं। यह चमत्कार नहीं, नियम है। जब हम ग्रह नक्षत्र के विशेष सहयोगों में, विशेष रूप से, विशेष मुहूर्त में स्नान करते हैं, तो हमें उसका विशेष फल मिलता है।

महाकुंभ के सबसे बड़े चमत्कार पर उन्होंने कहा, सबसे बड़ा चमत्कार स्वयं को जानना है। व्यक्ति स्वयं को अगर जान ले, समझ ले, फिर कुछ बचता नहीं है। वही समझदारी विकसित होनी चाहिए। इस अद्भुत महाकुंभ में यही चमत्कार है। महाकुंभ में जो अमृत छलक रहा है, उसको अपने मस्तिष्क में डालकर ले जाएं। शुद्ध विचार, धार्मिक विचार और आध्यात्मिक विचार आप लेकर यहां से जाएंगे।

यह जरूरी नहीं कि आप कुंभ में स्नान करें। जो महाकुंभ में आ रहा है, वह किसी भी प्रकार से अपनी सेवा दे रहा है। यदि स्नान नहीं कर पा रहे हैं, तो ऋषि मुनियों, गुरुओं, त्रिवेणी संगम का नाम लेकर यहां का एक लोटा जल अपने घर पर स्नान के समय मिलाकर नहा लें। ऐसे भी उद्धार हो जाएगा। हिंदू संस्कृति और विश्व पर इसके प्रभाव के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, हिंदू संस्कृति पूरे विश्व के आकर्षण का केंद्र है। सनातन धर्म का अर्थ है जो सदा है, सदा रहेगा, जो कभी मिट नहीं सकता। व्यवस्थाओं को समझना है, व्यवस्था में जीना है। ऐसा करने से सबका भला होता है। सनातन का अर्थ ही है कि जो पंच तत्व हैं, जो सदा से थे, हैं और सदा रहेंगे। इस व्यवस्था को समझना है और इसमें जीना है। ऐसा करने से फिर सुख अंदर पैदा होता है और उसे सुख की निरंतरता भी होती है, जिसे आनंद कहते हैं। तो उस आनंद को लेने के लिए यह व्यवस्था है। सनातन धर्म में तो यह आनंद हर व्यक्ति लूटने चाहता है। इसलिए विश्व का व्यक्ति भी इस ओर आकर्षित होता है। हिंदू सनातन संस्कृति का ही आज बोलबाला है। हम अपने ऋषि मुनियों का, अपने गुरुओं के आदेशों का, उनके वचनों का पालन करते हैं।

उन्होंने मानव प्रवृत्ति पर बात करते हुए बताया, जब मनुष्य भोग से ऊब जाता है, तो त्याग की ओर जाता है। फिर त्याग से ऊबकर भोग की ओर चला जाता है। यह सब चलता रहता है। लेकिन जब व्यक्ति स्वयं को समझ लेता है, तो त्याग और भोग दोनों से बचता है। फिर वह सिर्फ वस्तुओं का सदुपयोग करता है। करौली शंकर महादेव ने संतों के भेष में आडंबर और प्रपंच रचने वाले लोगों के प्रति भी अपनी राय दी। उन्होंने कहा, संतों के बीच ग्लैमर, ध्यान आकर्षित करने जैसे आडंबर भी मौजूद हैं। मेरा ऐसा मानना है कि गुरुओं और गुरु परंपराओं से जुड़े जितने भी मान्य संत हैं, इनकी बड़ी मर्यादा है और हिंदू सनातन संस्कृति की अपनी गरिमा है।

ऐसे लोगों को स्थान नहीं देना चाहिए। वे अगर शांति से ध्यान साधना करें, तो इसमें कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन ग्लैमर का स्थान नहीं है। यह आंतरिक ग्लैमर का स्थान बिल्कुल भी नहीं है। इन चीजों से स्वयं ही बचना चाहिए। करौली शंकर ने कहा कि यह सहिष्णु संस्कृति है। यह पालने वाली, पोषण करने वाली संस्कृति है। यह विद्रोह की संस्कृति नहीं है। हमारे महापुरुषों ने, हमारे ऋषि मुनियों ने जिस गरिमा को बनाए रखने में अपना सर्वस्व बलिदान किया, पूरी परंपराएं बलिदान की हैं, उसका हमें जरूर ध्यान रखना है कि हम इससे भटके नहीं। हमें अति उत्साह में भटकना नहीं है। न ही कभी कानून को अपने हाथ में लेना है।

हजारों लोगों ने नागा साधुओं के अखाड़ों में शामिल होने का आवेदन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुम्भ नगर। सनातन धर्म की रक्षा के लिए हजारों लोगों ने नागा साधु के तौर पर दीक्षा लेने के लिए अखाड़ों में आवेदन किया है और तीन स्तरों पर इन आवेदनों की जांच कर दीक्षा देने की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। निरंजनी अखाड़ा के महंत रवींद्र पुरी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि निरंजनी में प्रथम चरण में 300-400 लोगों को नागा संन्यासी के तौर पर दीक्षा दी जा रही है और 13 अखाड़ों में सात शैव अखाड़े हैं, जिनमें से छह अखाड़ों में नागा साधु के तौर पर दीक्षा दी जाती है। उन्होंने बताया कि इनमें निरंजनी, आनंद, महानिर्वाणी, अटल, जूना और आह्वान अखाड़ों में नागा साधु बनाए जाते हैं जबकि अग्नि अखाड़े में ब्रह्मचारी होते हैं, वहां नागा नहीं बनाए जाते हैं। शंकराचार्य ने नागा साधु बनाने की जो परंपरा डाली थी, वह संन्यासी अखाड़ों के लिए है।

जूना अखाड़ा के महामंत्री हरि गिरि महाराज ने बताया कि जूना अखाड़े में नागा साधुओं को दीक्षा के लिए जगह का अभाव है, इसलिए कई चरणों में इन्हें नागा साधु की दीक्षा दी जाएगी और हजारों की संख्या में नागा साधु के लिए आवेदन आए हैं। महानिर्वाणी अखाड़े के सचिव महंत यमुनापुरी महाराज ने बताया कि महानिर्वाणी में 300-350 लोगों को नागा साधु के तौर पर दीक्षा दी जा रही है जिसके लिए पहले से काफी लोगों के आवेदन आए थे। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी ने बताया कि विभिन्न अखाड़ों में नागा साधु के तौर पर दीक्षा के लिए हजारों की संख्या में लोगों ने आवेदन कर रखा है जो सनातन धर्म के लिए अपना सब कुछ बलिदान करके नागा साधु बनना चाहते हैं। एक आवाहन अखाड़े के महामंडलेश्वर ने बताया कि पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और पर्चियां जारी की जा रही हैं, साथ ही गोपनीय ढंग से आवेदकों के साक्षात्कार लिए जा रहे हैं, सभी पात्रता पूरी करने वाले लोगों को ही नागा साधु के तौर पर दीक्षा दी जा रही है। उन्होंने बताया कि गंगा नदी के किनारे नागा साधुओं के संस्कार किए जा रहे हैं, इसमें मुंडन संस्कार और पिंडदान शामिल है, ये संन्यासी अपना स्वयं का पिंडदान कर यह घोषणा करते हैं कि उनका भौतिक दुनिया से अब कोई संबंध नहीं है।

उन्होंने कहा कि इन सभी अनुष्ठान के बाद मौनी अमावस्या पर अमृत स्नान के साथ नागा साधु बनने की प्रक्रिया पूरी होती है। महामंडलेश्वर ने बताया कि ये सभी लोग धर्म ध्वजा के नीचे नग्नावस्था में खड़े होंगे और आचार्य महामंडलेश्वर उन्हें नागा बनने की दीक्षा देंगे। उन्होंने कहा कि सभापति उन्हें अखाड़े के नियम आदि बताएंगे और उन्हें नियमों का पालन करने की शपथ दिलाएंगे, यह प्रक्रिया पूरी होने के बाद हर किसी को अमृत स्नान के लिए भेजा जाएगा। एक अन्य अखाड़े के महंत ने बताया कि ऐसा नहीं है कि हर उम्मीदवार को नागा साधु बनाया जाएगा क्योंकि जांच के दौरान कई लोग अपात्र पाए गए हैं। उन्होंने कहा कि तीन चरणों में आवेदनों की जांच की गई और यह प्रक्रिया छह महीने पहले शुरू की गई थी। उन्होंने बताया कि अखाड़ा के थानापति ने उम्मीदवारों की पृष्ठभूमि और गतिविधियों की जांच की और इसकी रिपोर्ट आचार्य महामंडलेश्वर को दी गई और आचार्य महामंडलेश्वर ने अखाड़े के पंचों से पुनः इसकी जांच कराई जिसके बाद ही नागा साधु बनाने की प्रक्रिया शुरू की गई।

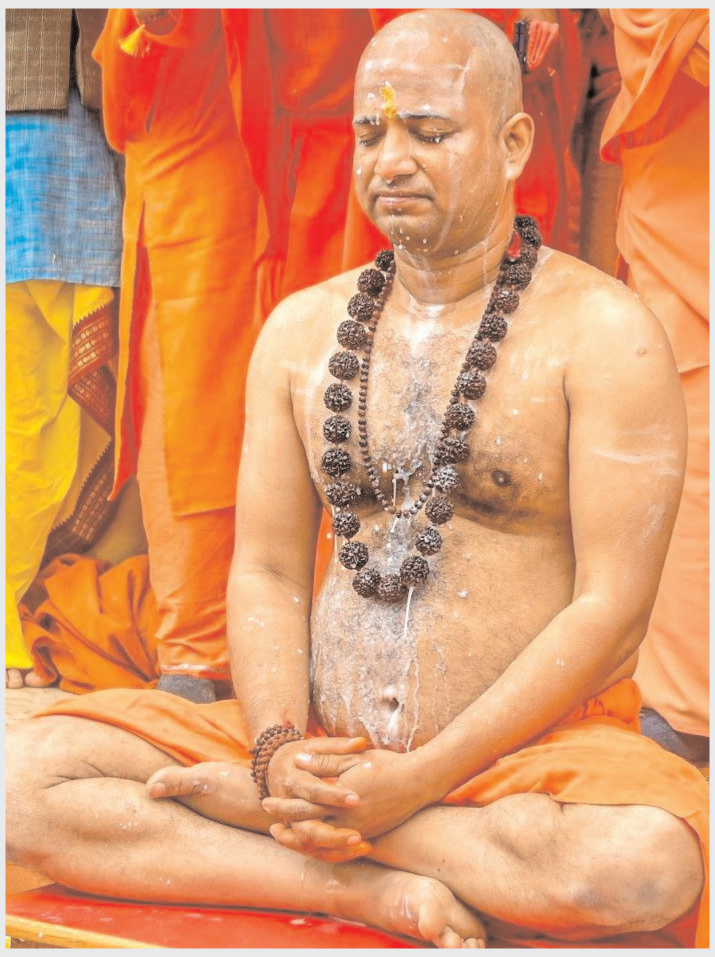

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के पैलेस ग्राउंड स्थित ग्रांड कैंसल सभागार में रविवार को शाम को खाटू वाले बाबा श्याम का बहुत ही सुंदर दरबार सजाया गया। दरबार में सबसे बीच में बाबा श्याम का शीश रंगीन फूलों से सजे हुए बागे में बहुत ही आकर्षित लग रहे थे, एक ओर सालासार बाबा व जीणमाता की प्रतिमा सजी हुई थी।

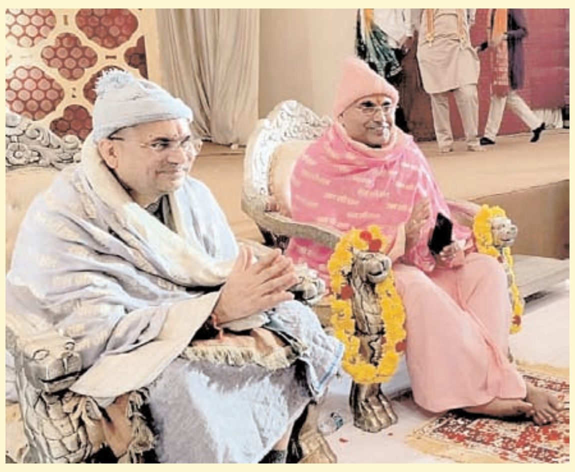

‘श्याम सरकार के अनोखा दरबार’ कार्यक्रम में खूब बही श्याम गीतों की रसधार

भजन संध्या में बड़ी संख्या में उमड़े श्याम भक्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के पैलेस ग्राउंड स्थित ग्रांड कैंसल सभागार में रविवार को शाम को खाटू वाले बाबा श्याम का बहुत ही सुंदर दरबार सजाया गया। दरबार में सबसे बीच में बाबा श्याम का शीश रंगीन फूलों से सजे हुए बागे में बहुत ही आकर्षित लग रहे थे, एक ओर सालासार बाबा व जीणमाता की प्रतिमा सजी हुई थी। इस मौके पर ‘श्याम सरकार का अनोखा दरबार’ नाम से भजन संध्या का आयोजन किया गया।शहर के सिरे–मोती सिंघवी परिवार द्वारा आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में सबसे पहले निमाज के रामस्नेही उत्तराधिकारी रामद्वारा के संतश्री सोहनरामजी महाराज व जोधपुर के बड़ा रामद्वारा सूरसागर के संत परमहंस रामप्रसादजी महाराज के सान्निध्य में इन्दर सिंघवी परिवार ने बाबा की विशेष पूजा कर दीप प्रज्वलित किया। इस कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रुप में राजस्थान के खाटू श्याम मंदिर के प्रतापसिंह चौहान व पवन पुजारी, महाकाल उज्जैन के यश पुजारी व दिनेश द्विवेदी सालासर बालाजी धाम के अनूप पुजारी, जीणमाता धाम के कमल पुजारी, मधुबन प्रधान खाटू के संजीव मित्तल, दिल्ली के एनएन बंसल व कोलकाता के अभिषेक राजगढ़िया आदि उपस्थित हुए। सभी अतिथियों का सिंघवी परिवार व अन्य आयोजकों ने सम्मान किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में सिंघवी परिवार के परिजन व बेंगलूरु के श्याम भक्त शामिल हुए, जिन्होंने कतारबद्ध होकर बाबा के दर्शन किए।

भजन संध्या में सबसे पहले स्थानीय कलाकारों ने गणेश वंदना से भजन संध्या की शुरुआत की। भजन संध्या में मनासा नीमच की गायिका कनिका ग्रोवर ने श्याम धुन लगाते हुए जब ‘मुझे लगी बाबा श्याम प्रीत, दुनिया क्या जाने......, खाटू बुला रहा है कृपा नहीं तो क्या है.....माना खाटू दूर है , पर खाटू वाला बाबा दूर नहीं.....’ भजन गाए तो सभी भक्तों ने नाच गाकर बाबा के दरबार में अपनी उपस्थिति दर्ज की। मुम्बई की गायिका यति किशोरी ने श्याम जयकारे के साथ जब भजन ‘सुन ले कन्हैया, अर्जी हमारी, मानो या मानो मर्जी तुम्हारी..., आयो सांवरियो सरकार, नीले पर चढ़कर..’ गाया तो भक्तों ने हाथों में करताल बजाकर बाबा को रिझाया। इस मौके पर विदेश से आए श्याम भक्तों ने भी बाबा के दरबार में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। फतेहाबाद की गायिका परविंदर पलक ने जब भजन, बोलो बोलो प्रेमियों श्याम बाबा की जय ....., खाटू की पावन नगरी में बाबा श्याम हमारा....दुनिया में हारे का सहारा बाबा श्याम हमारा...., खाटू माही लगे कचहरी , श्याम करे सुनवाई...., आदि की भी प्रस्तुति देकर माहौल को भक्तिमय बना दिया । कोलकाता के कन्हैया बबलू म्यूजिकल ग्रुप से बहुत ही शनदार संगीत की प्रस्तुति देकर भजन संध्या को और भी मधुर बना दिया।

कोलकाता के प्रसिद्ध भजन गायक कलाकार संजू शर्मा जब दरबार में आए तो पूरा सभागार श्याम जयकारों से गूंज उठा। जब भजन गायक संजू शर्मा ने भी जब भजन आयो आयो सांवरियो सरकार नीले घोड़े पर चढ़ कर गया तो पूरा सभागार खाटूमय हो गया। शर्मा ने जब खाटू वाले श्याम मैं तेरा हो गया....,श्याम बाबा का श्रृंगार मन भावे..., दिल दीवाना हो गया, श्याम दीवाना हो गया, जैसे अनेक भावपूर्ण भजन गाए।

कार्यक्रम में इंदरचंद सिंघवी, महेश राठी, गुमानसिंह, किशोरीलाल मोहता, प्रभात किशनपुरिया, सुशील राणासरिया, उमेश अग्रवाल, रोशन सुरेखा, मुकेश जिंदल आदि ने व्यवस्था संभाली।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु प्रवास पर आए पचपदरा के विधायक अरुण चौधरी ने भाजपा राजस्थानी प्रवासी प्रकोष्ठ कर्नाटक के सहसंयोजक भरत जैन से उनके निवास पर मुलाकात की। जैन ने विधायक चौधरी का सम्मान किया। अरुण चौधरी ने राजस्थान के विकास कार्यों पर प्रकाश डाला। इस मौके पर प्रवासी प्रकोष्ठ बेंगलूरु के अध्यक्ष रमेश चौधरी, जीतो केकेजी जोन के पूर्व अध्यक्ष अशोक सालेचा, दुर्गाराम पटेल, मदन लुंकड़ सहित अनेक प्रवासी उपस्थित थे।

मंदिरों में पशु बलि रुकवाने के लिए प्रशासन को दिया धन्यवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। चामराजनगर जिले के चिक्कलूर सिद्दप्पा मंदिर, कुडलुरु मुनिश्वरस्वामी मंदिर , बीआर हिल्स स्वामी रंगनाथ मंदिर आदि मंदिरों की वार्षिक जात्राओं में होने वाली पशु बलि को रुकवाने के लिए विश्व प्राणी कल्याण मंडल के अध्यक्ष दयानंद स्वामी ने फिर प्रयास किया। दयानंद स्वामी ने बताया कि कई वर्षों से धार्मिक जात्राओं के दौरान मंदिर के आस– पास हजारों संख्या में बेजुबान पशुओं की बलि दी जाती थी, पर प्रशासनिक अधिकारियों व पुलिस प्रशासन के सहयोग से बलि रुकवाने पर बहुत सफलता मिली है। दयानंदस्वामी ने चामराजनगर के जिला कलेक्टर, उप जिलाकलेक्टर, जिला पुलिस अधीक्षक, तहसीलदार व सरकारी प्रशासन को धन्यवाद दिया।

शिक्षा संस्कार और संस्कृति हमारी अमूल्य धरोहर है : लीलाबाई चोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। सीरवी समाज वरतूर वडेर में रविवार को संस्कार शिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। सीरवी समाज महासभा कर्नाटक अध्यक्षा लीलाबाई चोयल के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम में लीलाबाई चोयल ने कहा कि हमें हमारी संस्कृति को भूलना नहीं चाहिए। संस्कृति ही हमारी विरासत हैं।

उन्होंने कहा कि हर रविवार को सांस्कृतिक शिक्षण शिविर समाज भवन में आयोजित होने जा रहा है, इससे आने वाली पीढ़ी को नशा मुक्त बनाते हुए समाज संस्कारित बनाया जा सकता है। इस मौके पर लीलाबाई का सम्मान किया गया।

इस अवसर पर समाज के अध्यक्ष भुण्डाराम राठौड़, उपाध्यक्ष जीयाराम पंवार, सचिव ज्ञानाराम सातपुरा, सहसचिव मांगीलाल बर्फा, कोषाध्यक्ष भगाराम काग, सहकोषाध्यक्ष सोहनलाल बर्फा, महिला मंडल अध्यक्ष, सचिव आदि मौजूद रहे।

‘सद्संस्कारों के निर्माण की आधारशिला है ज्ञानशाला’

राजराजेश्वरीनगर में ज्ञानशाला सम्मान एवं पुरस्कार समारोह सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के आर आर नगर के तेरापंथ भवन में मुनिश्री मोहजीतकुमारजी के सान्निध्य एव बेंगलूरु ज्ञानशाला के तत्वावधान में वर्ष 2024 की परीक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थियों का सम्मान एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। तेरापंथी सभा की उपाध्यक्ष सरोज बैद ने सभी का स्वागत किया। मुनिश्री मोहजीतकुमार जी ने कहा कि ज्ञानशाला सदसंस्कारों के निर्माण की आधारशिला है। बचपन में संस्कारों के निर्माण के प्रति जागरुकता का प्रकल्प आचार्य तुलसी ने संयोजित किया। वर्तमान में आचार्य महाश्रमण इस प्रकल्प का सम्यक संवर्धन के प्रति प्रेरणा प्रदान करते रहते है।

ज्ञानार्थियों को ज्ञान बोध देने के लिए प्रशिक्षित प्रशिक्षिकाएं अपने समय और श्रम का बलिदान देती हुई भावी पीढ़ी का आध्यात्मिक विकास करती है। महासभा से कर्नाटक के प्रभारी प्रकाश लोढ़ा ने महासभा द्वारा संचालित ज्ञानशालाओं की जानकारी दी। आंचलिक संयोजक माणकचंद संचेती, क्षेत्रीय संयोजिका नीता गादिया, जोन संयोजिका पवन संचेती ने राजराजेश्वरीनगर ज्ञानशाला को एक व्यवस्थित एवं जागरूक ज्ञानशाला बताया। प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त बच्चों को पुरस्कृत किया गया। सभी प्रशिक्षकों का सम्मान किया गया। ज्ञानशाला प्रायोजक परिवार निर्मलकुमार सरोजदेवी विकास राकेश दुगड़ एवं आज के कार्यक्रम के प्रायोजक गुलाबदेवी डाक्टर प्रकाश छाजेड़ को सम्मानित किया गया। ज्ञानशाला की रिपोर्ट का वाचन संयोजिका प्रिया छाजेड़ ने प्रस्तुत की। ट्रस्ट के अध्यक्ष मनोज डागा, सभा के उपाध्यक्ष राजेश छाजेड़ एवं अन्य पदाधिकारी, कमलसिंह दुगड़, तेयुप एवं तेमम के पदाधिकारीगण एवं अन्य संस्थाओं के पदाधिकारी एवं सदस्यगण, बच्चों के अभिभावकों एवं श्रावक समाज की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ। मुनिश्री जयेशकुमारजी के संसार पक्षीय माता–पिता की उपस्थिति रही। अध्यक्ष राकेश छाजेड़ के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम का संचालन मंत्री गुलाब बाँठिया एवं प्रशिक्षिका वंदना भंसाली ने किया। आभार प्रभारी सुशील भंसाली ने किया।

‘मानव जीवन कर्मो का फलस्वरुप प्रसाद है’

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शूलै जैन स्थानक में आयोजित प्रवचन सभा में शिविराचार्य श्री विनयमुनिजी खींचन ने कहा कि जिस प्रकार समुन्द्र में मोती तथा सीप दोनों पाएं जाते है, संख्या में सीपों की कोई गिनती ही नहीं, ठीक वैसे ही मानव में गुण अवगुण दोनों पाए जाते हैं। गुण भी हैं, अवगुण भी है, संख्या की दृष्टि से अवगुणों को गिना नहीं जा सकता, गुण बहुत अल्प मात्रा में मिलते है। जीव जिसमें पाया जाता है वही पर 'जीवन' (सुख–दु:ख) रहता है। जीवन पूर्व कर्मों के फल रूप मिला कर्मों का एक प्रसाद है। जिस प्रकार सोने को शुद्ध बनाने के लिए 'अग्नि' साधन है, ठीक उसी प्रकार जीवन को पावन पवित्र निर्मल बनाने में माता पिता गुरुओं का बड़ा अवदान रहता है। जो अपने उपकारियों के प्रति विनम्र, मधुर, व्यवहार, सेवा और समय देना सीख गए है, समझना चाहिए धर्म उनमें प्रवेश हो चुका है। संघमंत्री मनोहर बम्ब ने सभी का स्वागत किया।

आमंत्रण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

राम जन्मभूमि तीर्थ अयोध्या के प्रथम वार्षिक महोत्सव के उपलक्ष्य में 36 को भक्त मंडल बेंगलूरु द्वारा 21 जनवरी को चलगटा स्थित श्री चामुंडेश्वरी माताजी मंदिर में भजन संध्या का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम में गायक आरजे रामसा, महावीर सांखला एवं खुशबू माली भजनों की प्रस्तुति देंगे। इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए आयोजकों ने मारुति मेडिकल के प्रमुख महेन्द्र मुणोत को आमंत्रित किया।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें
दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक
www.dakshinbharat.com

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com